RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः296, शुक्रवार, 07 नवंबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

बेतिया में भोजपुरी स्टार अक्षरा सिंह ने किया रोड शो, निर्दलीय प्रत्याशी रोहित सिकारिया के समर्थन. 03

जनता नीतीश सरकार के खिलाफ लड़ रही है : रोहिणी आचार्य 04

सोनाली ने कन्नड़ फिल्म चेलेवी से की थी करियर की शुरुआत 07

सुरेश रैना और शिखर धवन के खिलाफ बड़ा ऐक्शन

- ईडी ने सट्टेबाजी एप केस में करोड़ों की संपत्ति की जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व भारतीय क्रिकेटरों सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। ईडी के अनुसार, यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत की गई है। ईडी ने बताया कि इस कुर्की में सुरेश रैना के नाम पर 6.64 करोड़ रुपये के म्यूचुअल फंड निवेश और शिखर धवन के नाम

पर 4.5 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल है। यह कदम ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के चलते उठाया गया है। ईडी ने कहा कि उन्होंने मुद्रास्फीति निवारण अधिनियम, 2002 के तहत सुरेश रैना और शिखर धवन की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब क्रिकेट जगत में खिलाड़ियों की वित्तीय गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। जांच में ईडी को पता चला कि धवन और रैना ने जानबूझकर एंडोर्समेंट समझौते किए थे।

दिल्ली के ऊपर उड़ने वाले विमानों को मिले गलत जीपीएस सिग्नल

नेविगेशन और विमान की पोजीशन बताने में गलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पिछले एक हफ्ते से विमानों के जीपीएस सिग्नल में फेक अलर्ट आ रहे हैं। इसे जीपीएस स्पूफिंग भी कहते हैं। इसके तहत पायलटों को गलत लोकेशन और नेविगेशन डेटा अलर्ट मिल रहे हैं। एयर ट्रैफिक कंट्रोल के सूत्रों के अनुसार दिल्ली के करीब 100 किमी के दायरे में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। फ्लाइट रेगुलेटर डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन को इसके बारे में जानकारी दे दी गई है।

स्पूफिंग एक प्रकार का साइबर अटैक है जो नेविगेशन सिस्टम को गुमराह करने के लिए फेक जीपीएस सिग्नल भेजता है। ज्यादातर इसका इस्तेमाल वॉर जोन में किया जाता है, ताकि दुश्मनों के ड्रोन और विमानों को नष्ट किया जा सके। पायलट ने बताया- लैंडिंग के वक्त आया फेक अलर्ट एक एयरलाइंस के पायलट ने बताया कि पिछले हफ्ते उन्होंने 6 दिन फ्लाइट उड़ाई और हर बार जीपीएस स्पूफिंग का सामना करना पड़ा। पायलट के मुताबिक, दिल्ली एयरपोर्ट पर एक बार फ्लाइट लैंड करने के दौरान, उसके कॉकपिट सिस्टम में अलर्ट आया कि आगे रूट पर कोई खतरा है। वास्तव में वहां ऐसा कुछ नहीं था। ऐसा ही कुछ अन्य फ्लाइट्स के साथ भी हुआ। इससे कई उड़ानों में देरी भी हुई।

विजय सिन्हा के बाद एक और विधायक पर हमला

सीपीआई एमएल के सतेंद्र यादव की गाड़ी पर हमला, शीशे तोड़े

छपरा (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के दौरान राज्य के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के काफिले पर हमला हो गया। घटना लखीसराय में हुई। अभी ये मामला शांत ही नहीं हुआ था कि राज्य के सारण जिले से भी तनावपूर्ण घटना सामने आई है। जिले की मांझी विधानसभा सीट से महागठबंधन की ओर से सीपीआई (एमएल) प्रत्याशी डॉ. सत्येंद्र यादव की स्कॉर्पियो गाड़ी पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। इस हमले में गाड़ी के शीशे

तोड़ दिए गए, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, मांझी विधायक और सीपीआई (एमएल) प्रत्याशी डॉक्टर सत्येंद्र यादव विधानसभा चुनाव के दौरान क्षेत्र भ्रमण कर रहे थे। इसी क्रम में जैतपुर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्थित मतदान केंद्र पर मतदान के दौरान डॉ. सतेंद्र यादव और कुछ लोगों के बीच कहासुनी हो गई। थोड़ी ही देर में कहासुनी के दौरान धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। इसी दौरान मौके पर मौजूद कुछ असामाजिक तत्वों ने उनकी गाड़ी पर हमला कर दिया। गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी सक्रिय हो गए। एडीपीओ, डीसीएलआर और एसडीओ तुरंत मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

रूस से कच्चे तेल का आयात घटाने की तैयारी

- रिलायंस रूस की कंपनी से तेल खरीदना बंद करेगी
- अमेरिकी प्रतिबंधों का असर, कंपनियां कर रहीं किनारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अब रूस से कच्चे तेल के आयात में कटौती करने की तैयारी कर रहा है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक सरकार ने यह फैसला अमेरिका के रूस पर नए प्रतिबंधों के बाद लिया है। दरअसल अमेरिका ने रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट और लुकोइल के साथ सभी तरह के लेन-देन को प्रतिबंधित कर दिया था। ये प्रतिबंध 21 नवंबर से लागू हो रहे हैं। डेटा रिसर्च फर्म केप्लर के मुताबिक भारत के प्रमुख रिफाइनर अब इन्हीं अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट से तेल खरीद बंद करेगी। वहीं मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड भी रुसी तेल खरीदी को घटाएगी। इसके अलावा हिंदुस्तान पेट्रोलियम की कंपनी एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड पहले ही रूसी तेल का आयात बंद कर चुकी है। इन तीनों कंपनियों की हिस्सेदारी भारत के कुल रूसी कच्चे तेल आयात में 50 फीसदी से ज्यादा ज्यादा रही है। हालांकि देश में बीते महीने अक्टूबर में रशियन क्रूड ऑयल का इंपोर्ट 2.5 फीसदी बढ़ा है। केप्लर के लीड रिसर्च एनालिस्ट सुमित रतोलिया ने बताया कि ज्यादातर भारतीय रिफाइनर अमेरिकी प्रतिबंधों का पालन

करेंगे और रूस से सीधी खरीद घटाएंगे या बंद करेंगे। दिसंबर में आयात में तेज गिरावट होगी, जो 2026 की शुरुआत तक धीरे-धीरे सुधर सकती है। अमेरिकी ट्रेजरी ने 21 नवंबर 2025 तक का समय दिया है। इस अवधि में कंपनियों को रोसनेफ्ट और लुकोइल के साथ लेन-देन समाप्त करने होंगे। अगर पालन न किया गया, तो जुर्माना, ब्लैकलिस्टिंग या व्यापार प्रतिबंध लग सकते हैं। अमेरिकी संस्थाओं को अब इन कंपनियों के साथ किसी भी तरह का व्यापार करने से रोक दिया गया है। रूसी तेल सस्ता था, अब मध्य पूर्व या अमेरिका जैसे वैकल्पिक स्रोतों से तेल लेना पड़ेगा, जो महंगे हैं। भारत की कुल आयात में रूसी तेल का बड़ा हिस्सा था, इसलिए रिफाइनिंग लागत बढ़ेगी और पेट्रोल-डीजल के दामों पर भी इसका असर दिख सकता है। 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद रूसी तेल सस्ता हो गया। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, और रूसी तेल ने इसकी जरूरतों को सस्ते में पूरा किया। लेकिन अब सैंक्शंस के कारण उसे रूसी तेल खरीद कम करनी पड़ सकती है। भारतीय सरकार के आंकड़ों से पता चलता है कि 2022 से देश ने लगभग 140 अरब डॉलर मूल्य का डिस्काउंटेड रूसी तेल खरीदा है। इसे रिलायंस और दूसरी कंपनियों ने प्रोसेस किया।

अनैतिक शब्दों के इस्तेमाल वाली वेबसाइट्स पर लगेगा ब्रेक

प्रतिबंध की शुरू हुई तैयारी, सरकार जल्द जारी करेगी गाइडलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पोर्न वेबसाइट्स पर सरकार ने कई बार प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया है। बावजूद इसके सरकार को सफलता नहीं मिली। इन सबके बीच केंद्र सरकार अब एक ऐसा कंटेंट प्रतिबंध करने की तैयारी में है, जिसमें

रिश्तों के बीच अनैतिक संबंधों से जुड़े शब्दों का इस्तेमाल किए जा रहे कंटेंट प्रसारित की किया जाता है। सरकार का उद्देश्य है कि रिश्तों के लिए गढ़े गए ऐसे शब्द और उससे जुड़ा कंटेंट प्रतिबंधित करने के लिए के लिए सर्विस प्रोवाइडर्स (आईएसपी) को जल्द गाइडलाइन जारी होगी। आईटी मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि चाइल्ड पोनोंग्राफी के अलावा अन्य कई अश्लील कंटेंट इंटरनेट पर मौजूद हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैरकानूनी श्रेणी में नहीं आते।

ऑपरेशन सिंदूर के छह माह बाद फिर ऐक्टिव हुए आतंकी

- खुफिया रिपोर्ट में खुलासा-हमले की फिराक में पाक आतंकी

ड्रोन से हो रही है टोही, रसद और बॉर्डर में बढ़ा दी है घुसपैठ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के छह महीने बाद पाकिस्तान के आतंकी संगठनों खासकर लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद ने जम्मू-कश्मीर को फिर से निशाना बनाने और आतंकी हमले की कवायद तेज कर दी है। इस कड़ी में आतंकी संगठनों ने सीमा पार से रसद की सप्लाई, ड्रोनों से टोही और सीमा पार से घुसपैठ की घटनाओं में तेजी से बढ़ोत्तरी की है। एक रिपोर्ट में खुफिया दस्तावेजों के हवाले से कहा गया है कि आतंकी समूहों ने सितंबर से घुसपैठ, टोही और सीमा पार रसद बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कथित तौर पर, लश्कर और जैश की कई यूनिट्स नियंत्रण रेखा को पार कर जम्मू-कश्मीर में घुसी हैं जिन्हें पाकिस्तान से सपोर्ट मिल रहा है।

- **जम्मू-कश्मीर में अस्थिरता फैलाना मकसद-** खुफिया आंकलनों से यह भी पता चलता है कि पूर्व एसएसजी सैनिकों और आतंकवादियों वाली पाकिस्तान की बॉर्डर एक्शन टीमों को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में फिर से तैनात किया गया है, जो भारतीय ठिकानों पर संभावित सीमा पार हमलों का संकेत है। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद की सबसे सुनियोजित गतिविधियों में से एक है, जो केंद्र शासित प्रदेश में अस्थिरता फैलाने की पाकिस्तान की नई रणनीति का संकेत देता है। बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद सेना अलर्ट है।

बिहार में माफिया फर्स्ट नहीं, नौजवान फर्स्ट होगा

- सीएम योगी बोले-बिहार में यूपी मॉडल लागू होगा
- सीएम योगी ने परिहार विस क्षेत्र में की चुनावी सभा

सीतामढ़ी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को सीतामढ़ी जिले के परिहार प्रखंड के कोईरिया पिपरा गांव में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने परिहार विधानसभा से एनडीए प्रत्याशी गायत्री देवी के समर्थन में वोट मांगे और कांग्रेस व राजद पर निशाना साधा। योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि एनडीए सरकार बनने पर उत्तर प्रदेश की तर्ज पर बिहार में भी माफियाओं का सफाया किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में माफिया फर्स्ट नहीं, नौजवान फर्स्ट है का मॉडल लागू है और इसे बिहार में भी अपनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में परिहार के ऐतिहासिक महत्व का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि यह भूमि भगवान राम के अनुज लक्ष्मण के वंशजों द्वारा संरक्षित रही है। उन्होंने यहां की परंपरा, संस्कृति और देवी-देवताओं की महिमा को बिहार के लिए गौरवशाली बताया। विपक्ष पर हमला बोलते हुए योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राजद की सरकारों ने बिहार को पिछड़ेपन की ओर धकेला है, जबकि यहां के युवाओं में अपार प्रतिभा है। उन्होंने कहा कि बिहार के युवाओं ने पहले चरण के चुनाव में ही विकास और स्थिरता के प्रति अपना समर्थन स्पष्ट कर दिया है। इस चुनावी सभा में एनडीए प्रत्याशी गायत्री देवी, पूर्व विधायक रामनरेश यादव, अंकुश यादव, आशुतोष शंकर सिंह समेत कई स्थानीय नेता और हजारों ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान जय श्रीराम और एनडीए विजयी हो के नारे लगाए गए।

रॉकेट की रफ्तार से आई बाइक और खड़ी ट्राली में घुस गई

राजस्थान में फिर 6 लोगों की मौत, लोगों को डरा रहे हैं हादसे

सीकर (एजेंसी)। प्रदेश में लगातार हादसों की बाढ़ आ रही है। इन दुखद हादसों में एक बार फिर तीन परिवारों ने अपनों को खो दिया है। ताजा मामला सीकर जिले के श्रीमाधोपुर क्षेत्र का है। यहां दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया, जिसमें तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा रात्रि करीब एक बजे के आसपास थोई-कांवट बाईपास रोड पर हुआ। थोई थानाधिकारी मनोज कुमार ने बताया की बाइक पर सवार होकर आ रहे प्रीतमपुरी निवासी दो सगे भाई दिनेश कुमार सैन, दीपक सैन तथा चचेरे भाई

हिमांशु सैन सड़क के किनारे खड़ी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गए। बताया जा रहा है कि ट्रॉली का टायर पंचर था और वह सड़क किनारे खड़ी थी। हादसे के बाद तीनों को घायल अवस्था में थोई अस्पताल लाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर रैफर किया गया। रास्ते में ही दोनों सगे भाई दिनेश व दीपक ने दम तोड़ दिया, जबकि हिमांशु ने देर रात जयपुर में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। मृतक दिनेश और दीपक विवाहित थे और टाइल्स का काम करते थे, जबकि हिमांशु अविवाहित था। हादसे की खबर जैसे ही गांव पहुंची, परिजनों में कोहराम मच गया। तीनों युवकों की मौत से पूरे मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई और क्षेत्र में सन्नाटा पसर गया। थोई थाना पुलिस मौकै पर है। फिलहाल मामलें की जांच की जा रही है। पुलिस हादसे के कारणों को जानने में जुटी है।

छिटपुट घटनाओं के बीच बिहार में बंपर वोटिंग

मतदान को लेकर महिलाओं और जेन जी में दिखा जबर्दस्त उत्साह

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले फेज में 18 जिलों की 121 सीटों पर अबकी बार बंपर वोटिंग हुई है। शाम 6 बजे तक 65 फीसदी से ज्यादा मतदान की खबर है। इस दौरान कुछ छिटपुट घटनाओं की भी खबर है, हालांकि कुछ सीटों पर 5 बजे वोटिंग खत्म हो गई। दोपहर 3 बजे तक 53.77 वोटिंग हुई है। आज की 121 सीटों में 104 सीटों पर सीधा मुकाबला रहा, जबकि 17 सीटों पर त्रिकोणीय लड़ाई है। बिहार की 243 सीटों पर 2 फेज में चुनाव हो रहे हैं। 14 नंवबर को नतीजे आएंगे। वैशाली में राजद प्रत्याशी के भड़काने पर लोगों ने सीआरपीएफ जवानों पर पत्थर फेंके। दरअसल, आरजेडी प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ जुटे हुए थे, जवानों ने उन्हें हटाया तो हंगामा हो गया। हालांकि, इसमें किसी को चोट नहीं आई है। सीवान के गोरेयाकोठी विधानसभा के लकड़ी नवीगंज प्रखंड की बूथ संख्या 349-350 पर बीजेपी प्रत्याशी देवेशकांत सिंह का स्थानीय वोटरों ने विरोध किया है। वोट चोर के नारे भी लगाए। लोगों का आरोप है कि वो मुस्लिम महिलाओं का बुर्का हटाने की बात कह रहे थे। इधर, लखीसराय में डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के काफिले पर पथराव हुआ है। गाड़ी पर गोबर, चप्पलें फेंकी गईं। गुस्साए डिप्टी सीएम ने कहा, ये सब राजद के गुंडे हैं। एनडीए जीत रहा, तो इन्हें तकलीफ हो रही है। इन सब की छाती पर बुलडोजर चलेगा। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए मतदान प्रक्रिया जारी है।

आरजेडी वाले 'र' से रंगदारी- 'फ' से फिरौती जानते हैं

- भागलपुर में पीएम मोदी बोले-इनकी पाठशाला में घ से घोटाला और प से परिवारवाद की ट्रेनिंग होती है

अररिया (एजेंसी)। बिहार में पहले फेज की वोटिंग के बीच पीएम मोदी नवादा में सभा की। यहां उन्होंने कहा कि एक बार फिर से बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी। आज पहले चरण का मतदान हो रहा है। बिहार की बेटियां अपने प्रदेश को जंगलराज से दूर रखने के लिए वोटिंग कर रही हैं। पीएम ने कहा कि, आरजेडी के पोस्टर में कांग्रेस के नामदार की कहीं तस्वीर लगी है क्या। इन दोनों पार्टियों में ही तनातनी चल रही है। कांग्रेस के नामदार बिहार आना भी नहीं चाहते थे, लेकिन इनको जबरदस्ती लाया गया है। पीएम ने कहा कि राजद वालों को फ फरौती, र से रंगदारी, प से परिवारवाद और घ से घोटाला ही सिखाया जाता है।

पीएम मोदी बोले-जंगलराज में कोई काम नहीं हुआ- इससे पहले पीएम मोदी ने अररिया में सभा की थी। वहां उन्होंने कहा था कि, आज बिहार में पहले चरण के लिए वोटिंग शुरू हो गई है। सोशल मीडिया पर शानदार तस्वीरें आ रही हैं। बूथों पर सुबह से लाइन लगी हैं। आज पूरे बिहार से एक ही आवाज आ रही है फिर एक बार एनडीए सरकार। आरजेडी के नेता बिहार की पूरी एक पीढ़ी का भविष्य खा

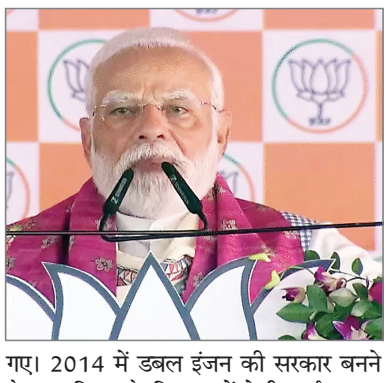

गए। 2014 में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद बिहार के विकास में तेजी आई। पटना में एम्स बोधगया में एम्स पटना में मेट्रो खुला। दरभंगा एम्स का काम चल रहा है। भागलपुर में एयरपोर्ट है। बिहार में एक नहीं, दो नहीं बल्कि 4 सेंट्रल यूनिवर्सिटी भी है। एनडीए सरकार में गंगा पर 4 बड़े पुल बनाए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि, मेरे मन में एक सवाल है। आप सुबह-सुबह इतनी बड़ी संख्या में आई हैं। घरवालों को आज खाना मिलेगा क्या। या तो आपने आज सुबह 4 बजे उठकर खाना बनाया होगा। आपका ऐसा प्यार और सौभाग्य बहुत कम लोगों को मिलता होगा।

आरजेडी-कांग्रेस ने छठ मइया का अपमान किया- कांग्रेस हो या राजद, उन्हें देश की सुरक्षा और आस्था की कोई चिंता नहीं है, इसलिए वे हमारी आस्था और हमारी संस्कृति का अपमान करते हैं। कांग्रेस के नामदार बिहार में आते हैं और छठी मइया की पूजा को ड्रामा कहते हैं। हमारी माताएं और बहनें छठी मइया की पूजा करती हैं, लेकिन वे इसे नौटंकी कहते हैं और फिर राजद के बड़े नामदारों के मुंह पर ताला लग जाता है। जब महाकुंभ चल रहा था, तब यही बड़े नाम उछल-उछल कर महाकुंभ के स्नान का मजाक उड़ाते थे। घुसपैठिए हमारे प्रयासों के सामने एक बड़ी चुनौती है। एनडीए सरकार पूरी क्षमता और ईमानदारी से घुसपैठियों की पहचान कर रही है और उन्हें देश से बाहर निकालने के लिए काम कर रही है, लेकिन कांग्रेस और आरजेडी उन्हें बचाने में लगे हैं। उन्हें बचाने के लिए, वे तरह-तरह के झूठ बोलते हैं, राजनीतिक यात्राएं आयोजित करते हैं।

कांग्रेस-आरजेडी में झगड़े चल रहे हैं- कुछ दिनों पहले मैंने कांग्रेस-आरजेडी के झगड़े को उजागर किया था। झगड़ा और बढ़ गया है। कांग्रेस ने उपमुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को आरजेडी के खिलाफ मोर्चे पर उतार दिया है। वे मीडिया को इंटरव्यू दे रहे हैं और जंगलराज की कलई खोल रहे।

संक्षिप्त समाचार

बिहार विधानसभा चुनाव : पहले चरण में प्रचण्ड जीत की राह पर राजग अग्रसरः राजीव रंजन

पटना। बिहार में पहले चरण के मतदान के पश्चात जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की बड़ी जीत का दावा किया है। गुरूवार को मतदान करने के बाद उन्होंने कहा कि पहले चरण की 121 सीटों पर राजग प्रचंड जीत की राह पर अग्रसर है । बिहार के जागरूक मतदाताओं ने विकास, सुशासन, सशक्तिकरण, रोजगार एवं सामाजिक सद्भावना के क्षेत्र में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में किए गए कार्यों और राजग सरकार की उपलब्धियों पर मुहर लगा दी है। उन्होंने दावा किया कि एक बार फिर से नीतीश कुमार राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे।

विकास के लिए करें मतदानः कुंतल कृष्ण

पटना। बिहार भाजपा के प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने गुरुवार को छपरा के जिला स्कूल स्थित मतदान केंद्र पर मतदान किया। मतदान के बाद उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि विकास के लिए मतदान करें, क्योंकि हर वोट बिहार के उज्जवल भविष्य की दिशा तय करता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण होती है और अधिक से अधिक लोगों को मतदान में हिस्सा लेना चाहिए। कुंतल कृष्ण ने युवाओं से भी आगे बढ़कर मतदान करने की अपील की। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में 121 सीटों के लिए मतदान जारी है। मतदान फिलहाल शांतिपूर्ण जारी है। सुबह 11 बजे तक बिहार में 27.65 प्रतिशत मतदान हुआ है।

लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर मतदान करिएःसम्राट चौधरी

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में अपना मतदान किया। उन्होंने लोकतंत्र के महापर्व में अपने गृह विधानसभा क्षेत्र तारापुर में अपने मत का प्रयोग किया। मौके पर मतदाताओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व को उत्साह के साथ के साथ मनाये और आप सभी बढ़-चढ़कर मतदान करिए। उन्होंने कहा मतदाताओं से कहा एक सशक्त, सुरक्षित, समृद्ध तथा विकसित बिहार के लिए वोट करें। ताकि बिहार के विकास को और रफ्तार मिल सके।

घोसवरी में 105 वर्षीय गुलाबी देवी ने मतदान किया, लोकतंत्र के महापर्व में दिखा उत्साह

पटना। पटना जिले के घोसवरी में बेलछी प्रखंड के सकसोहरा स्थित महंत रामनारायण पूरी उच्च माध्यमिक विद्यालय में आज मतदान के दौरान एक 105 वर्षीया महिला ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बूथ संख्या 127 और 179 पर गुलाबी देवी ने वृद्धावस्था के बावजूद मतदान केंद्र पहुंचकर लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। गुलाबी देवी को मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई थी। अंतिम चरण में उनके परिजनों ने उन्हें गोद में उठाकर मतदान कक्ष तक पहुंचाया, जिससे वे बिना किसी असुविधा के अपना वोट डाल सकीं। मतदान के बाद गुलाबी देवी ने कहा कि वोट देना हमारा अधिकार और जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक सांस है, वे लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदान करती रहेंगी। गुलाबी देवी के इस कार्य ने युवा मतदाताओं के साथ-साथ अन्य वृद्ध मतदाताओं को भी प्रेरित किया। इसी मतदान केंद्र पर कुछ अन्य वृद्ध महिलाएं भी ई-रिक्शा से पहुंचकर मतदान में शामिल हुईं। मतदान कर्मियों ने सभी वरिष्ठ नागरिकों की सहायता की, जिससे उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। इस घटना ने यह दर्शाया कि आयु कोई बाधा नहीं है और लोकतंत्र के इस महापर्व में हर नागरिक की भागीदारी संभव है।

सारण के मांझी में विधायक के वाहन पर हमला, शीशा टूटा, स्थिति नियंत्रण में, अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

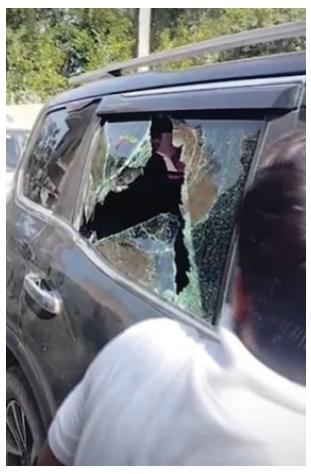

पटना। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 42 एवं 43, ग्राम जैतपुर में गुरुवार को उस समय हल्की अफरा-तफरी मच गई जब मांझी के विधायक व सीपीआईएम के उम्मीदवार सत्येंद्र यादव मतदान केंद्र का निरीक्षण करने पहुंचे। जानकारी के अनुसार, विधायक अपने वाहन से मतदान केंद्र का जायजा लेने पहुंचे थे, तभी वहां मौजूद कुछ स्थानीय व्यक्तियों ने उनका विरोध करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई और विरोध के बीच कुछ असामाजिक तत्वों ने विधायक के वाहन पर हमला कर दिया, जिससे वाहन का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, विधायक सत्येंद्र यादव और उनके सहयोगी पूरी तरह सुरक्षित बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए मतदान केंद्र पर तुरंत अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी स्वयं मौके पर कैंप कर रहे हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। प्रशासन के अनुसार, पूरे मामले में कानून-व्यवस्था की स्थिति फिलहाल पूरी तरह नियंत्रण में है। मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से जारी है। इस घटना के संबंध में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है और दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की अशांति फैलाने या चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले के सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया गया है ताकि मतदान शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो सके।

पटना के 14 विस सीटों पर वोटिंग खत्म, 5 बजे तक 55.02% मतदान

घोड़े पर वोट देने आईं 2 महिलाएं, नाव पर सवार होकर पहुंचे वोटर्स

एजेंसी, पटना

बिहार विस चुनाव 2025 के फर्स्ट फेज में पटना की 14 सीटों पर शाम 6 बजे वोटिंग खत्म हो गई। 5 बजे तक का वोटिंग प्रतिशत 55.02 रहा। जिले के 14 विधानसभा सीट पर 149 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। पटना में कुल वोटर्स की संख्या 48,30,135 है, जिसमें 25,47,931 पुरुष और 22,82,047 महिला वोटर शामिल हैं।

फतुहा विस सीट पर बढ़ रहा वोटिंग प्रतिशतः फतुहा विस सीट पर इस बार कांटे की टक्कर है। लोजपा आर की उम्मीदवार रूपा कुमारी और राजद उम्मीदवार रामानंद यादव आमने-सामने हैं। यह सीट कई मायनों में अहम है। पहली बार राजद उम्मीदवार को कड़ी टक्कर मिल रही है। इसी सीट पर वोट प्रतिशत भी बढ़ रहा है। एक ही जाति के उम्मीदवार होने के चलते समर्थकों में रस्सा कस्सी भी है।

मोकामा में दो बाहुबलियों के बीच भिड़ंतः इस बार मोकामा में दो बाहुबलियों के बीच भिड़ंत है। अनंत सिंह और सूरजभान सिंह के बीच टक्कर है। सूरजभान की पत्नी वीणा देवी यहां से राजद उम्मीदवार हैं। वहीं, अनंत सिंह को जदयू से टिकट मिला था। हालांकि, दुलारचंद हत्याकांड में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है और अभी फिलहाल वह जेल में है। वह जेल से ही चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, दानापुर में रीतलाल यादव और रामकृपाल यादव आमने-सामने हैं। रीतलाल भी अभी जेल में है। दीघा विधानसभा से बीजेपी के संजीव चौरसिया के खिलाफ सुशांत सिंह राजपूत की बहन दिव्या गौतम खड़ी है। वहीं, बांकीपुर से नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन की किस्मत का फैसला भी आज जनता करेगी।

तीन लेयर की रहेगी सुरक्षा व्यवस्थाः पटना डीएम त्यागराजन ने कहा कि 6 नवंबर को पटना के 14 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव हो रहा है।

सभी बूथों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है। सभी बूथों पर सीएपीएफ बल तैनात हैं। स्टेटिक सर्विलांस टीम और जिला बल की भी तैनाती है। 100 मीटर की परिधि में कर्फ्यू लागू है। तीन लेयर सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। हर थाना लेवल पर जोनल मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई है। पोलिंग स्टेशन पर मोबाइल जमा करने की व्यवस्था है। टोकन के माध्यम से मोबाइल जमा करना होगा। सभी बूथों पर वेबकास्टिंग हो रही। इसके लिए बड़े टीवी स्क्रीन लगे हैं।

मोकामा और बाढ़ क्षेत्रों में खास निगरानीः मोकामा और बाढ़ क्षेत्रों में वरीय पदाधिकारियों की विशेष प्रतिनियुक्ति की गई है, जबकि टाल इलाके में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) की गश्त और मूवमेंट लगातार जारी रहेगा। अगर कोई असामाजिक तत्व विधि-व्यवस्था भंग करने की कोशिश करेगा, तो उससे सख्ती से निपटा जाएगा।

तार की चपेट में आने से किसान की मौत

धनरूआ के वीर ओरियारा गांव की घटना

एजेंसी, पटना

पटना के धनरूआ थाना क्षेत्र स्थित वीर ओरियारा गांव में खेत में गिरे बिजली के तार की चपेट में आने से 45 वर्षीय किसान अनिल यादव की मौत हो गई। यह घटना बुधवार शाम धान काटते समय हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए पटना भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, अनिल यादव (45), पिता बलम यादव, अपने खेत में धान काटने गए थे। खेत में पहले से ही बिजली का एक तार गिरा हुआ था, जिसके संपर्क में आने से उन्हें करंट लग गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत ध्यान नहीं दिया।

कुछ समय बाद खेत से गुजर रहे एक व्यक्ति ने उन्हें जमीन पर पड़ा देखा और ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना मिलने पर परिवार के सदस्य और पुलिस मौके पर पहुंचे। धनरूआ थाना प्रभारी आलोक कुमार ने बताया कि पुलिस ने 112 टीम को घटनास्थल पर भेजकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए पटना भेज दिया।

इस घटना से अनिल यादव की पत्नी, एक पुत्र और दो पुत्रियां अनाथ हो गई हैं। परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने बताया कि अनिल ही परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे, और उनकी आकस्मिक मृत्यु से परिवार की आर्थिक स्थिति गंभीर रूप से प्रभावित होगी। ग्रामीणों ने खेतों में खुले पड़े बिजली के तारों और कमजोर विद्युत व्यवस्था पर आक्रोश व्यक्त किया, जिसे वे कई बार खतरे की वजह बता चुके हैं।

थाना प्रभारी आलोक कुमार ने कहा, "यह एक दुखद दुर्घटना है। प्रथम दृष्टया यह करंट लगने का मामला प्रतीत होता है। हम घटना की विस्तृत जांच कर रहे हैं और जो भी दोषी होंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।" उन्होंने आगे कहा कि गांव में आवासीय क्षेत्रों और खेतों के पास फैले विद्युत तारों की सुरक्षा के लिए संबंधित विभाग को शीघ्र सूचित किया जाएगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी त्यागराजन एस.एम. ने पत्नी संग किया मतदान

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत राजधानी पटना में मतदान हुआ। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी पटना त्यागराजन एस.एम.ने गुरुवार की सुबह अपनी पत्नी के साथ संत जेवियर उच्च विद्यालय, गांधी मैदान स्थित मतदान केंद्र पर पहुँचकर मतदान किया। मतदान के पश्चात उन्होंने मतदाताओं से लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

उन्होंने कहा कि पटना जिला के सभी 5,677 मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए आवश्यक सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। प्रत्येक केंद्र पर पेयजल, रैम्प, शौचालय, शेड, बैठने की व्यवस्था और व्हीलचेयर जैसी सुविधाएँ सुनिश्चित की गई हैं ताकि हर मतदाता बिना किसी असुविधा के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। जिलाधिकारी ने कहा कि

मतदाताओं से अधिकाधिक मतदान की अपील

मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे निर्भय होकर मतदान केंद्र पर आएँ और अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को सशक्त बनाएं। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में सुरक्षा के व्यापक इंतज़ाम किए गए हैं, हर मतदान केंद्र पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात हैं। पटना के विभिन्न मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की कतारें दिखाई दे रही थी। युवाओं और महिलाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

राबड़ी बोलीं- दोनों बेटों को आशीर्वाद, तेजस्वी ने कहा-14 नवंबर को बनेगी महागठबंधन सरकार

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण की वोटिंग जारी है। आज राज्य के 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर मतदान हो रहा है। सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू हुई, जो शाम 6 बजे तक चलेगी। मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। इस दौरान पटना के वेटनरी कॉलेज स्थित मतदान केंद्र पर बिहार की राजनीति का सबसे चर्चित परिवार लालू परिवार एक साथ वोट डालने पहुंचा। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, उनकी पत्नी राजश्री यादव और राज्यसभा सांसद मीसा भारती ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वोटिंग के बाद लालू प्रसाद यादव ने कहा, 'इस बार बिहार में बदलाव होगा'। वहीं राबड़ी देवी ने कहा, 'मेरे दोनों बेटों को मेरा आशीर्वाद है। तेज प्रताप और तेजस्वी दोनों अपने बल पर चुनाव लड़ रहे हैं।

लोकतंत्र के महापर्व में शामिल हो-तेजस्वीः तेजस्वी यादव ने वोट डालने के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा, "मैं बिहार के हर नागरिक से अपील करता हूं कि लोकतंत्र के इस

महापर्व में शामिल हों। लालू-राबड़ी परिवार के दोनों बेटे इस बार आमने-सामने के राजनीतिक मैदान में हैं। तेजस्वी यादव राघोपुर सीट से महागठबंधन के उम्मीदवार और सीएम फेस हैं, जबकि तेज प्रताप यादव बेदखल होने के बाद अपनी नई पार्टी से महुआ सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान दोनों भाइयों के बीच तल्खी भी देखने को मिली थी, लेकिन मतदान के दिन राबड़ी देवी ने दोनों को एक साथ आशीर्वाद देकर परिवारिक एकता का संदेश दिया।

रोहिणी बोलीं- इस बार बिहार के लोग रोजगार देने वाली सरकार चुनेंगेः वहीं RJD

पटना में लालू परिवार ने डाला वोट

नेता और लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने कहा, "यह चुनाव बिहार के गरीबों, किसानों और मजदूरों के लिए है जो रोजगार की तलाश में दर-दर भटकते हैं। इस बार बिहार के लोग रोजगार देने वाली सरकार चुनेंगे और डबल इंजन की सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। 14 नवंबर को बिहार को नई सरकार मिलेगी। बिहार जीतने वाला है, जनता जीतने वाली है।" बिहार के पहले चरण की वोटिंग में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, मतदान शांतिपूर्ण ढंग से जारी है और मतदान प्रतिशत में भी इस बार इजाफा देखने को मिल रहा है।

सभी लोगों को मत देना चाहिए- तेज प्रतापः वहीं, दूसरी तरफ लालू-राबड़ी के वोट के बाद तेज प्रताप भी वेटनरी कॉलेज में पहुंचे। उन्होंने भी अपना मतदान किया। इस दौरान उन्होंने ज्यादा कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा कि मैंने वोट दे दिया है। बिहार के सभी लोगों को अपना मत देना चाहिए। जनता मालिक है। अंत में उन्होंने कहा कि हमको जाने दीजिए महुआ निकलना है।

गिरिराज सिंह ने मतदान के बाद कहा बुर्का पहने हर व्यक्ति की जांच हो

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए आज मतदान हो रहा है। पहले चरण में 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर किस्मत आजमा रहे उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में बंद हो जाएगी। लखीसराय विस क्षेत्र के बड़हिया स्थित मतदान केंद्र संख्या 168 मध्य विद्यालय नंबर 2 पूर्वी भाग पर केंद्रीयमंत्री गिरिराज सिंह ने मतदान करने के बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि यदि भारत में मंदिर नहीं बनेगा, तो पाकिस्तान में बनाए जाएंगे।

इसके साथ ही उन्होंने लालू यादव, तेजस्वी यादव और राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा है कि बुर्का पहने हर व्यक्ति की जांच हो। बिहार सरकार में मंत्री और दरभंगा विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार संजय सरावगी ने वोट डालने के बाद कहा कि जिन्हें सत्ता में आना नहीं है वे (राजद) ऐसे झूठे वादे करेंगे... जनता ऐसी बातों को समझती है और आम जनता प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजग के साथ

है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री और लखीसराय विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा ने मताधिकार का प्रयोग करने के बाद कहा कि यह लोकतंत्र का महापर्व है और लोक आस्था के महापर्व छठ के बाद बिहार में सभी को लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने का अवसर मिला है। जिस तरह हम छठ पूजा को सामाजिक सौहार्द्र के साथ मनाते हैं, उसी तरह सभी को लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होना चाहिए। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि बिहार का गौरव बढ़ाएं, यह समय बिहार को बदनाम करने वालों से मुक्त करने का है।

बिहार के मंत्री और बांकीपुर से भाजपा उम्मीदवार नितिन नवीन पटना के दीघा स्थित मिलर हाई स्कूल, बूथ संख्या 394 और 396 स्थित मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। मोकामा विधानसभा क्षेत्र से राजद उम्मीदवार वीणा देवी और पूर्व सांसद सूरजभान सिंह ने मतदान करने से पहले पूजा की। पूर्व सांसद सूरजभान सिंह ने कहा कि हमने भगवान से आशीर्वाद लिया है, आज बहुत बड़ा त्योहार है, मैं बिहार के सभी लोगों से अपील करूंगा कि आज भाईचारा दिखाएं, पहले मतदान फिर जलपान। पटना में भाजपा नेता भीखूभाई दलसानिया ने मतदान किया।

समस्तीपुर विधानसभा के कर्पूरीग्राम गांव स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय अनुसूचित जाति टोल कर्पूरीग्राम के मतदान केंद्र संख्या 73 पर केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने मताधिकार का प्रयोग किया।

बिहार के लखीसराय जिले में उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के काफिले पर हमला

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर वोटिंग जारी है। इसी बीच बड़ी खबर सामने आ रही है कि लखीसराय में उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी के काफिले पर हमला हुआ है। उपमुख्यमंत्री ने हमले का आरोप राजद समर्थकों पर लगाया है।

राजद समर्थकों ने उपमुख्यमंत्री और लखीसराय निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा की कार को घेर लिया और चप्पल फेंकी और "मुर्दाबाद" के नारे लगाते हुए उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। मौके पर पुलिसकर्मी मौजूद हैं। मौके पर भारी बवाल देखने को मिला। उनके काफिले पर कीचर फेंकने की जानकारी मिल रही है। मौके पर विजय सिन्हा के साथ नोंकझोंक भी हुई है।

हमले के बाद पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा उम्मीदवार विजय

कुमार सिन्हा ने कहा है कि ये राजद के गुंडे हैं। एनडीए सत्ता में आ रही है... गुंडे मुझे गांव में जाने नहीं दे रहे हैं। विजय सिन्हा ने आरोप लगाया कि दलित और पिछड़े लोगों को धमकाया जा रहा है। विजय सिन्हा ने कहा कि आरोपितों पर बुलडोजर एक्शन होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग से शिकायत भी करेंगे। उन्होंने दावा किया कि विजय सिन्हा जीतने वाले हैं। उन्होंने मेरे पोलिंग एजेंट को भगा दिया और उसे वोट नहीं देने दिया...उनकी गुंडागर्दी देखिए।"

अमित शाह बोले-साइंटिफिक डाटा बताता है, बिहार के युवाओं का आईक्यू दुनिया में सबसे ज्यादा

एजेंसी, पटना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के युवाओं की बुद्धिमत्ता की तारीफ करते हुए बड़ा बयान दिया है। एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि साइंटिफिक डाटा के आधार पर मैं कह सकता हूं कि बिहार के युवा का आईक्यू करीब-करीब दुनिया में सबसे ज्यादा है। शाह ने कहा कि बिहार ने हमेशा देश को नेतृत्व देने वाले लोग दिए हैं। चाहे राजनीति हो, प्रशासन हो या शिक्षा का क्षेत्र। उन्होंने कहा कि अगर देश के किसी राज्य ने सबसे ज्यादा आईएएस, आईपीएस और डॉक्टर-इंजीनियर पैदा किए हैं तो वह बिहार है। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि बिहार के युवाओं में संघर्ष की क्षमता और सीखने की भूख दोनों असाधारण हैं। उन्होंने इसे बिहार की मिट्टी और पारिवारिक संस्कार से जुड़ा बताया। गृह मंत्री शाह ने कहा कि यहां का हर बच्चा हालात से लड़ना जानता है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। राजनीतिक हलकों में शाह का यह बयान चर्चा का विषय बन गया है। एनडीए खेमे के नेता इसे बिहार के सम्मान से जोड़ रहे हैं। जबकि विपक्षी दल इसे चुनावी मौसम में युवाओं को लुभाने की कोशिश बता रहे हैं। जदयू के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अमित शाह ने जो कहा, वह सच है। बिहार के युवाओं की मेधा किसी से कम नहीं। वहीं, राजदी के प्रवक्ता ने तंज करते हुए कहा कि अगर भाजपा को बिहार के युवाओं की इतनी परवाह है तो रोजगार

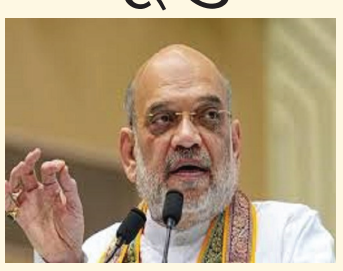

देने की दिशा में ठोस कदम उठाए।

बिहार के युवा कमलेश, मिथलेश, अ जीत, नीरज, अतुल्य जैसे अन्य युवाओं ने शाह के बयान को गर्व से लिया है। सोशल मीडिया पर कई युवाओं ने लिखा कि अमित शाह ने जो कहा, वह हर बिहारी के दिल की बात है। हमें बस मौका चाहिए, बिहार

♦ बिहार का हर बच्चा हालात से लड़ना जानता है, यही उसकी सबसे बड़ी ताकत - बिहार के युवाओं में संघर्ष की क्षमता और सीखने की भूख दोनों असाधारण

के युवा देश ही नहीं, दुनिया बदल सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि शाह का यह बयान बिहार की बौद्धिक विरासत को पहचान देने वाला है।

समाजशास्त्री रंगनाथ तिवारी का मानना है कि यह बात सही है कि बिहार का सामाजिक ढांचा बच्चों को जल्दी परिपक्व बना देता है। कठिनाइयों में जीकर सीखने की प्रवृत्ति उन्हें मानसिक रूप से मजबूत और विश्लेषणात्मक बनाती है। अमित शाह का यह बयान ऐसे समय आया है, जब बिहार में चुनावी माहौल गर्म है और युवा वोटरों की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषक व वरिष्ठ पत्रकार लव कुमार मिश्र मानते हैं कि यह टिप्पणी न केवल प्रशंसा है, बल्कि युवाओं को संदेश देने की रणनीति भी हो सकती है कि देश की राजनीति में उनका योगदान सबसे अहम है। अमित शाह का यह बयान बिहार के आत्मगौरव को बढ़ाने वाला है। चाहे इसे चुनावी बयान कहा जाए या सच्चाई की स्वीकृति। बात यही है कि बिहार के युवाओं की बुद्धिमत्ता और संघर्षशीलता पर अब राष्ट्रीय मुहर लग गई है।

संक्षिप्त समाचार

महिला के साथ मारपीट

प्रातः आवाज : जमुई/ झाझा – थाना क्षेत्र के पांडेडीह गांव में एक महिला को उसके देवर, गौतनी और दो भतीजी के द्वारा मारपीट कर घायल कर दिया गया। घायल की पहचान सुशीला देवी के रूप में हुई। घायल महिला का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा में हुआ। पीड़िता ने बताई की गौतनी लीलावती देवी हमेशा बिना किसी बात पर गाली गलौज करते रहता है। गुरुवार को भी उसने गाली गलौज किया जिसका विरोध किया तो देवर भरत साह, दोनो भतीजी ने ईंट चलाकर मारपीट किया और फिर चाकू से मेरे ऊपर हमला कर दिया जिससे घायल हो गई। घटना कि जानकारी पुलिस को भी दी गई।

आग लगने से दुकान जलकर राख, लाखों की क्षति

प्रातः अवाज, बैरियाः बैरिया थाना क्षेत्र के तधवानंदपुर पंचायत के वार्ड नंबर 15 में अचानक लगी आग से एक किराना दुकान जलकर पूरी तरह राख हो गई। इस हादसे में लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। अग्निपीड़ित दुकानदार रविश कुमार ने बताया कि वह अपना दुकान बंद कर धान के खेत में गए हुए थे। इसी दौरान दुकान से अचानक आग की लपटें उठने लगीं। जब तक ग्रामीण कुछ समझ पाते, तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने काफी प्रयास कर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक दुकान में रखे फ्रीज, चावल, दाल, चीनी, कुरकुरे और अन्य किराना सामान जलकर राख हो गए। ईस अगलगी में 10 हजार नगर रुपये भी जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि फायर ब्रिगेड की गाड़ी समय पर नहीं पहुंचती तो आग पास के घरों में भी फैल सकती थी। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जो मेरे राम का नहीं, वह किसी काम का नहीं - योगी आदित्यनाथ

एनडीए प्रत्याशियों को जिताने की अपील

बीएनएम @ बगहाः बगहा विधानसभा क्षेत्र के बबुई टोला खेल मैदान में बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित किया। हजारों की संख्या में जुटी भीड़ से उत्साहित योगी आदित्यनाथ ने महागठबंधन पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि जो मेरे राम का नहीं, वह किसी काम का नहीं। उन्होंने राजद, कांग्रेस और सपा पर राम मंदिर के विरोध का आरोप लगाते हुए उन्हें धर्म विरोधी बताया और कहा कि ऐसे दलों को जनता इस बार सबक सिखाएगी।उन्होंने भीड़ से एनडीए द्वारा चुनाव मैदान में उतारे गए बगहा, रामनगर और वाल्मीकिनगर विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान की अपील की। योगी ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले वहां दंगे-फसाद आम बात थे, लेकिन अब हालात पूरी तरह सामान्य हैं। उन्होंने कहा कि आज न कर्फ्यू है, न दंगा है, यूपी में सब चंगा है। इसी तरह विकास के पथ पर बिहार भी तेजी से आगे बढ़ रहा है और एनडीए की सरकार बनने से प्रगति और तेज होगी।सभा के दौरान बगहा शहर का बबुई टोला मैदान "बुलडोजर बाबा जिंदाबाद" के नारों से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अपराधियों, भ्रष्टाचारियों और माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दावा किया कि एनडीए की नीतियों से गरीब, किसान, युवा और महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं।मुख्यमंत्री ने बगहा से बीजेपी के प्रत्याशी राम सिंह और रामनगर से बीजेपी प्रत्याशी नंदकिशोर राम के पक्ष में वोट मांगे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दूबे, उत्तर प्रदेश के मंत्री सूर्य प्रताप शाही और वाल्मीकिनगर के जेडीयू सांसद सुनील कुमार भी मौजूद रहे।अपने संबोधन के अंत में योगी आदित्यनाथ ने हाथ जोड़कर बगहा की जनता का अभिवादन किया और कहा कि भारी बहुमत से एनडीए को समर्थन देकर बिहार में स्थिर और मजबूत सरकार बनाने में सहयोग दें। सभा शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

जनता विकास के लिए कर रही शांतिपूर्ण मतदान, एनडीए पूरी तरह मजबूत :मंगल पांडे

बीएनएम @ सीवान। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण में मतदान जारी है और सीवान जिले में मतदाताओं का उत्साह देखने लायक है। सुबह से ही लोग अपने-अपने मतदान केंद्रों पर लंबी कतारों में खड़े होकर लोकतंत्र के इस पर्व में हिस्सा ले रहे हैं। इस बीच बिहार सरकार के मंत्री मंगल पांडे ने सलेमपुर स्थित मतदान केंद्र पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।वोट डालने के बाद मीडिया से बातचीत में मंगल पांडे ने कहा कि "पूरे सीवान जिले में मतदान शांतिपूर्ण माहौल में हो रहा है। हर वर्ग के लोग विकास और सुशासन के लिए वोट कर रहे हैं। यह बिहार के बदलते राजनीतिक और सामाजिक सोच का संकेत है।" उन्होंने कहा कि इस बार जनता जाति या क्षेत्रवाद के बजाय सड़क, बिजली, रोजगार और शिक्षा जैसे मुद्दों को लेकर मतदान कर रही है।एनडीए की स्थिति पर पूछे गए सवाल पर मंत्री ने कहा, "एनडीए पूरे बिहार में बेहद मजबूत स्थिति में है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के काम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर जनता का भरोसा कायम है। पहले चरण के रुझान ही आने वाले परिणाम का संकेत दे रहे हैं।"सीवान जिले में महिला और युवा मतदाताओं की भागीदारी खासतौर पर उल्लेखनीय रही। प्रशासन ने मतदान को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है।अंत में मंत्री मंगल पांडे ने मतदाताओं से अपील की कि वे घरों से निकलकर मतदान करें। उन्होंने कहा, "एक-एक वोट बिहार के भविष्य को तय करेगा, इसलिए सभी लोग लोकतंत्र के इस उत्सव में शामिल हों।"सीवान में अब तक मतदान शांतिपूर्ण ढंग से जारी है और लोगों में "वोट करेगा बिहार, अपनी सरकार चुनेगा बिहार" का उत्साह साफ झलक रहा है।

बिहार में बन रही एनडीए की सरकारः जयंती चौधरी

बीएनएम @ गया जीः कौशल एवं उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी ने बिहार में एनडीए की सरकार बनने की बात कही। वे गुरुवार को एनडीए कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गया से भी भाजपा प्रत्याशी की जीत होगी। इस मौके पर भाजपा विधायक डॉ प्रेम कुमार समेत कई नेता मौजूद थे।

मतदाता जागरूकता को लेकर जिलाधिकारी के नेतृत्व में जिला प्रशासन के द्वारा निकाली गयी वॉकथॉन, मसाल जुलूस व कैंडल मार्च

- जुलूस में बड़ी संख्या में शहरवासी सहित महिलाएं एवं छात्रों ने हिस्सा लिया।
- 11 नवंबर को जिला में मतदान होना है, सभी मतदाता करें अपने मताधिकार का प्रयोग- जिलाधिकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के नेतृत्व में गुरुवार को जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण के द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत मोतिहारी शहर के नगर निगम कार्यालय के पास से मोतीझील के किनारे बने मेरीन ड्राइव पथ से होते हुए रोइंग क्लब तक वॉकथॉन सह कैंडल मार्च निकाला गया। मार्च का समापन रोइंग क्लब के परिसर में हुआ जहां भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर जागरूकता अभियान को एक नया आयाम दिया गया। इस कार्यक्रम में प्रभावती गुप्ता उच्च विद्यालय, एमजेके बालिका +2 विद्यालय एवं मोतिहारी इंजीनियरिंग कॉलेज के बच्चों ने बड़े ही प्रेरक प्रस्तुति दी। इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र चलो मतदान करें, मतदान का महत्व, एक-एक वोट कीमती है, मतदान कर राष्ट्र के प्रति अपना फर्ज निभाएं से संबंधित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी जो सभी दर्शकों को प्रेरित किया। प्रभावती गुप्ता प्लस टू बालिका महाविद्यालय की छात्राओं के द्वारा "मेरा देश महान, चलो मतदान करें" की बड़ी ही सुंदर प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपना मतदान करें। उन्होंने कहा कि पूर्वी चंपारण जिला में मतदान का प्रतिशत पिछली चुनावों में लगातार अच्छा रहा है और इस बार जिला के सभी मतदाता सत प्रतिशत मतदान कर इस जिला को बिहार में नंबर वन पर कायम करेंगे। जिला प्रशासन के द्वारा जिला के सभी 12 विधानसभा क्षेत्र में लगातार मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है सभी महा दलितों में विकास मित्रों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। आंगनबाड़ी सेविका सहायिका जीविका तथा शिक्षा विभाग इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जिला प्रशासन यह उम्मीद रखता है कि इस बार जिला में मतदान का प्रतिशत एक नया रिकॉर्ड बनाएगी। उन्होंने सभी मतदाताओं का आह्वान किया कि 11 नवंबर, मतदान तिथि को सभी याद रखें एवं सबसे पहले अपना मतदान करें। यह अवसर 05 वर्षों में एक बार मिलता है, लोग इसका निश्चित रूप से उपयोग करें। इस अवसर पर जिला स्वाइप आईकॉन अनुप्रिया ने भी अपने मधुर संगीत के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया उन्होंने भी सभी लोगों से अपना मतदान निश्चित रूप से करने की बात कही। इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से नगर आयुक्त सौरव सुमन यादव, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, सहायक समाहर्ता प्रिया रानी, उपनिर्वाचन पदाधिकारी सरफराज नवाज, वरीय कोषागार पदाधिकारी विजय कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरी, सहायक कोषागार पदाधिकारी शीतीश कुमार, जिला स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश एवं वरीय उप समाहर्ता निधि कुमारी, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र-छात्रा एवं शहर के गणमान्य उपस्थित थे।

सामान्य प्रेक्षक व निर्वाची पदाधिकारी ने सेक्टर पदाधिकारी के साथ की बैठक

बीएनएम @ मोतिहारी

भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा नियुक्त 15-केसरिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक पीबी नूह एवं केसरिया विधानसभा क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी -सह- उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार के द्वारा केसरिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए प्रतिनियुक्ति सभी सेक्टर पदाधिकारी के साथ बैठक की गई। उक्त बैठक में सर्वप्रथम सभी मतदान केंद्रों की भौतिक स्थिति, वहां सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, की जानकारी प्राप्त की गई। प्रेक्षक महोदय के द्वारा मतदाता पर्ची वितरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई जिस पर सभी सेक्टर पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि मतदाता पर्ची का सत प्रतिशत वितरण कर दिया गया है। बैठक के दौरान सभी संवेदनशील मतदान केंद्र सहित महादलितोले के विषय में जानकारी प्राप्त की गई एवं सभी तरह की गतिविधियों पर बारीक नजर रखने का निर्देश दिया गया।

बैठक में कहा गया कि छोटी से छोटी घटना को नजर अंदाज नहीं किया जाए एवं वरीय पदाधिकारी को इसकी जानकारी दे दी जाए। उन्होंने कहा कि महादलित टोलों में कॉन्फिडेंस बिल्डिंग के लिए भी अभियान चलाया जाए ताकि सभी मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

"माई-बहन के खाते में 30 हजार, 200 यूनिट फ्री बिजली" — हरसिद्धि में बोले वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी

- महागठबंधन की सरकार बनते ही जनता को देंगे तोहफा,

बीएनएम @ हरसिद्धि

विधानसभा क्षेत्र के सिंघा बलुआ टाल में गुरुवार को आयोजित महागठबंधन की चुनावी सभा में वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने एनडीए पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर महागठबंधन की सरकार बनी, तो हर परिवार को राहत देने वाली योजनाएं लागू की जाएंगी। मुकेश सहनी ने कहा, "हम सरकार बनते ही बिहार के लोगों को तोहफा देंगे। मकर संक्रांति के दिन यानी 14 जनवरी को 'माई-बहन योजना' के तहत बहनों के खाते में सीधे 30 हजार रुपये भेजे जाएंगे। साथ ही, हर परिवार को 200 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी।"उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव लालू प्रसाद के बेटे हैं, और जो वादा करते हैं, उसे निभाते हैं। सहनी बोले, "मुझे पांच साल का मौका दीजिए, अगर काम अच्छा नहीं किया तो मुझे भी हटा देना।"डबल इंजन की सरकार पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा और जदयू ने मिलकर बिहार को लूट लिया है। भाजपा को "कानून विरोधी पार्टी" बताते हुए उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के शासन में भ्रष्टाचार चरम पर है और प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं बची है। उन्होंने कहा, "नीतीश कुमार की कोई विचारधारा नहीं है। वह सत्ता के लिए दल बदलते रहते हैं और भाजपा की गोद में बैठकर सत्ता का आनंद ले रहे हैं। लेकिन अब जनता सब समझ चुकी है। नीतीश की सरकार गिरना तय है, इस बार गरीब और पिछड़ों की सरकार बनेगी।"सभा में उपस्थित राजद प्रत्याशी राजेंद्र कुमार राम ने कहा कि वह गरीब परिवार से हैं और गरीबों की आवाज उठाने आए हैं। उन्होंने कहा, "हमारे नेता लालू प्रसाद यादव ने सदैव दलितों और शोषितों की लड़ाई लड़ी है। हम उसी लड़ाई को आगे बढ़ाएंगे। अब जुमलेबाजी नहीं चलेगी।"राजेंद्र कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और गृह मंत्री अमित शाह पर भी सीधा निशाना साधते हुए कहा, "ये तीनों पहले बिहार को लूटे, अब देश को लूट रहे हैं। जनता को ऐसे वोट चोरों से सावधान रहना होगा।"सभा की अध्यक्षता मोहनलाल सहनी ने की जबकि संचालन मोहन सहनी ने किया। मंच पर राजेंद्र यादव, कन्हैया पाल, नियाज अहमद खान, राजदेव यादव, जंग बहादुर कुशवाहा, निर्मला साहनी, अख्तर हुसैन, धर्मेंद्र कुशवाहा, इंजीनियर मनीष कुमार, मुक्ति साहनी, मोहम्मद कमरू जमा, ललन साहनी सहित कई स्थानीय नेता मौजूद थे।

बेतिया में भोजपुरी स्टार अक्षरा सिंह ने किया रोड शो, निर्दलीय प्रत्याशी रोहित सिकारिया के समर्थन में उमड़ा जनसैलाब

बीएनएम @ बेतिया

भोजपुरी सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री और युवा आइकन अक्षरा सिंह आज बेतिया पहुंचीं, जहाँ उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी रोहित सिकारिया के समर्थन में एक शानदार रोड शो किया। शहर की सड़कों पर अक्षरा सिंह की एक झलक पाने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे पूरा माहौल चुनावी रंग में रंग गया रोड शो के दौरान अक्षरा सिंह ने खुली जीप में सवार होकर जनता का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि रोहित सिकारिया एक ईमानदार, युवा और जनसेवी उम्मीदवार हैं, जो बेतिया के विकास के लिए समर्पित हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे रोहित सिकारिया को भारी मतों से विजयी बनाएं ताकि बेतिया में नई सोच और नई ऊर्जा के साथ विकास का रास्ता खुले जनता ने जगह-जगह फूलों की बारिश कर अक्षरा सिंह और रोहित सिकारिया का स्वागत किया। रोड शो के दौरान "रोहित सिकारिया जिंदाबाद", "अक्षरा सिंह आई हैं, बदलाव लाई हैं" जैसे नारों से पूरा शहर गूंज उठा। रोड शो में बड़ी संख्या महिलाओं, युवाओं और प्रशंसकों की उपस्थिति ने यह दिखा दिया कि बेतिया में चुनावी माहौल अब और ज्यादा रोचक हो गया है।

हैलिकॉप्टर की अनुमति नहीं मिलने पर भीआईपी सुप्रीमों नहीं पहुंचे सके बगहा

बीएनएम @बगहा

बगहा विधानसभा क्षेत्र के बिमल बाबू मैदान में गुरुवार को विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के सुप्रीमो मुकेश साहनी को जनसभा को संबोधित करना था। हालांकि, प्रशासन की ओर से हेलिकॉप्टर लैंडिंग की अनुमति नहीं मिलने के कारण वे कार्यक्रम स्थल पर नहीं पहुंच सके। इसके बावजूद उन्होंने दूरभाष (ऑडियो कॉल) के माध्यम से आमजनता से संवाद किया। इस दौरान मैदान में मौजूद समर्थकों में प्रशासनिक फैसले को लेकर नाराजगी देखी गई। सभास्थल पर महागठबंधन के बगहा विधानसभा प्रत्याशी जयेश मंगलम सिंह ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के मंत्री और विधायक बगहा में वीआईपी सुप्रीमो की सभा को रोकने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि हेलिकॉप्टर की अनुमति न देना लोकतांत्रिक अधिकारों का दुरुपयोग है। सिंह के मुताबिक, वे मुकेश साहनी के साथ कैलाश नगर वास भूमि विवाद पर चर्चा कर समाधान की दिशा में पहल करना चाहते थे, परंतु परमिशन न मिलने से बातचीत अधर में रह गई। ऑडियो कॉल के जरिए संबोधन में मुकेश साहनी ने कहा कि पिछड़े वर्ग और मल्लाह समाज को मजबूत नेतृत्व देने की घोषणा से एनडीए में डर पैदा हो गया है।

नौतन में मुकेश सहनी की जनसभा में उमड़ी भीड़, महागठबंधन के प्रति दिखा जनसमर्थन

बीएनएम @ नौतन

वीआईपी सुप्रीमो, सन ऑफ मल्लाह एवं महागठबंधन से उपमुख्यमंत्री पद के दावेदार मुकेश सहनी ने नौतन विधानसभा क्षेत्र में एक भव्य जनसभा को संबोधित किया। जनसभा में हजारों की संख्या में लोगों की उपस्थिति ने क्षेत्र में महागठबंधन के प्रति जनता के अद्भुत स्नेह और अटूट विश्वास को प्रदर्शित किया अपने संबोधन में मुकेश सहनी ने कहा कि वीआईपी पार्टी गरीब, पिछड़े, मछुआरा समाज और आम जनता के हक की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने महागठबंधन की नीतियों और जनता के मुद्दों को केंद्र में रखते हुए कहा कि बिहार में अब बदलाव की बयार चल चुकी है, और जनता विकास, सम्मान तथा समान अवसर चाहती है सभा स्थल पर भीड़ ने जोश और उत्साह के साथ नारे लगाए मल्लाह का बेटा लड़ेगा, बिहार बदलेगा कार्यक्रम में स्थानीय कार्यकर्ताओं और नेताओं ने भी मंच साझा किया और महागठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में लोगों से अपील की। जनसभा की ऐतिहासिक भीड़ ने यह संकेत दे दिया कि नौतन में महागठबंधन के पक्ष में मजबूत लहर बन चुकी है और जनता आने वाले चुनाव में बदलाव का मन बना चुकी है।

रक्सौल में फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन, विजेताओं को मिला सम्मान

बीएनएम @ रक्सौल

भूमि पत्तन रक्सौल परिसर में "फिट इंडिया–फ्रीडम रन" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूमि पत्तन रक्सौल के प्रशासक कुमार राजीव रंजन ने की। इस अवसर पर "स्वच्छता और स्वास्थ्य" विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। प्रशासक कुमार राजीव रंजन ने कहा कि फिटनेस केवल शरीर ही नहीं, बल्कि मन और समाज को भी सक्रिय बनाती है। उन्होंने स्वच्छ जीवनशैली को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईसीपी बिरगंज नेपाल के टर्मिनल हेड गणेश प्रसाद धिमिरे और विशिष्ट अतिथि के रूप में एसएसबी 47वीं वाहिनी के डिप्टी कमांडेंट दीपक कृष्णा उपस्थित रहे। मैराथन दौड़ में भूमि पत्तन रक्सौल, आप्रवासन ब्यूरो, सीमा शुल्क विभाग, एसएसबी और स्थानीय हितधारकों के कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में आप्रवासन ब्यूरो के अजीत कुमार सिंह, सीमा शुल्क विभाग के अधीक्षक सुशील कुमार सिन्हा, अधीक्षक संतोष कुमार समेत कई अधिकारियों का योगदान सराहनीय रहा। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं और प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

एनडीए की होने वाली है जबरदस्त जीत, फिर आएंगे बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमारः उपेंद्र कुशवाहा

बीएनएम @ पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के बाद एनडीए घटक दल राष्ट्रीय लोक जनतांत्रिक महासंघ (RLM) के सुप्रीमो और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने एनडीए की शानदार जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर एक बार फिर भरोसा जताया है।पत्रकारों से बातचीत में कुशवाहा ने कहा, "बिहार के विभिन्न जिलों से जो संकेत मिल रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि एनडीए राज्य में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने जा रहा है। जनता को अब यह पूरी तरह समझ आ गया है कि विकास, सुशासन और स्थिरता केवल एनडीए ही दे सकता है।" उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में राज्य की सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और ऊर्जा व्यवस्था में व्यापक सुधार हुआ है, जो एनडीए की सरकारों की उपलब्धि है।तेजस्वी यादव के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, "विपक्ष के नेता चुनाव के दौरान अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखने के लिए ऐसे बयान देते हैं। यह उनकी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है, क्योंकि अगर वे अभी निराशा जताएंगे तो उनकी पार्टी के कार्यकर्ता हतोत्साहित हो जाएंगे। कुशवाहा ने यह भी कहा कि पहले चरण के मतदान में जनता के उत्साह ने यह संकेत दे दिया है कि बिहार ने एनडीए के विकास मॉडल को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने दूसरे चरण के मतदाताओं से अपील की कि वे भी लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अधिक संख्या में मतदान करें।गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं। पहला चरण संपन्न हो चुका है, जबकि दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को और परिणाम 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

ओम प्रकाश खेड़िया ने किया मतदान, लोगों से की लोकतंत्र में भागीदारी की अपील

बीएनएम @ पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के बीच समाजसेवी ओम प्रकाश खेड़िया ने भी आज अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वोट डालने के बाद उन्होंने स्याही लगी उंगली दिखाते हुए मुस्कुराकर कहा — "पहले वोट, फिर जलपान — मैंने अपना मतदान कर दिया आप भी निकलिए, देश के इस पर्व में अपनी भागीदारी ज़रूर निभाइए खेड़िया ने कहा कि मतदान सिर्फ एक अधिकार नहीं, बल्कि यह लोकतंत्र के प्रति हर नागरिक का कर्तव्य भी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे घरों से निकलें और बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें।उन्होंने यह भी कहा कि एक मजबूत और जिम्मेदार सरकार तभी बन सकती है जब हर नागरिक अपनी भूमिका निभाए। "देश की प्रगति, व्यवस्था की स्थिरता और विकास की दिशा तय करने में हर वोट की अहम भूमिका होती है," उन्होंने कहा।मतदान केंद्र पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम थे और मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। ओम प्रकाश खेड़िया के इस संदेश को लोगों ने सोशल मीडिया पर खूब साझा किया, जिससे चुनावी माहौल में सकारात्मकता और मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने में मदद मिली।

आज गरीब के पास भी होती है ताकतः खान सर

बीएनएम @ पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के तहत गुरुवार को 18 जिलों की 121 सीटों पर मतदान जारी है। इस बीच पटना के मशहूर शिक्षक और यूट्यूबर खान सर ने भी अपने मतदान केंद्र पहुंचकर वोट डाला। मतदान के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, "आज लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है। यही वो दिन है जब एक गरीब के पास भी ताकत होती है। मत देना एक जिम्मेदारी है, इसे निभाना हर नागरिक का कर्तव्य है।"उन्होंने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है और हर नागरिक को मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। खान सर ने युवाओं से विशेष अपील करते हुए कहा कि "अगर आप वोट डालने नहीं आएंगे तो आपके मुद्दों को कोई गंभीरता से नहीं लेगा। इसलिए वोट डालिए, भले ही नोटा ही क्यों न दबाना पड़े, लेकिन मतदान जरूर करें। शिक्षक से सामाजिक प्रभावशाली चेहरे बने खान सर ने कहा कि जनता को अपने उम्मीदवार की छवि देखकर वोट देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार का भविष्य युवाओं के हाथ में है और आने वाले समय में राज्य को शिक्षित और जागरूक मतदाताओं की जरूरत है।गौरतलब है कि पहले चरण में बिहार के 18 जिलों की 121 सीटों पर सुबह 7 बजे से मतदान जारी है। निर्वाचन आयोग ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं और दोपहर बाद वोटिंग में और तेजी आने की उम्मीद है।

डॉ. मनोज कुमार बिमल ने मतदान कर निभाया लोकतांत्रिक फर्ज

बीएनएम @ पटनाः बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण में पूरे राज्य में मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इसी क्रम में समाजसेवी और शोधकर्ता डॉ. मनोज कुमार बिमल ने भी मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि हर वोट लोकतंत्र की नींव है और यह न सिर्फ हमारा अधिकार बल्कि जिम्मेदारी भी है।मतदान के बाद डॉ. बिमल ने कहा, "मैंने राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए वोट दिया है। हर वोट लोकतंत्र को मजबूती देता है और नागरिकों को अपनी आवाज उठाने का अवसर देता है।" उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें ताकि सशक्त भारत का निर्माण हो सके।डॉ. बिमल ने कहा कि लोकतंत्र तभी सार्थक होगा जब हर नागरिक अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा, "एक वोट देश की दिशा तय कर सकता है, इसलिए इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

जनता नीतीश सरकार के खिलाफ लड़ रही है : रोहिणी आचार्य

» ये चुनाव धर्मयुद्ध है मतदान के बाद बोली रोहिणी

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के तहत आज 121 सीटों पर मतदान जारी है। राजधानी पटना समेत कई जिलों में सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। इस बीच राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव अपने परिवार के साथ पटना के वेटनरी कॉलेज स्थित मतदान केंद्र पहुंचे और वोट डाला। उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, मीसा भारती, राजश्री यादव और रोहिणी आचार्य भी मौजूद थीं। वोटिंग के बाद तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा, "बदलाव जरूरी है। जनता से अपील है कि नया बिहार बनाने के लिए वोट करें। शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था और रोजगार के लिए नई सरकार बनाएं।" उन्होंने सोशल मीडिया पर भी जनता से "विकास और बदलाव" के नाम पर मतदान की अपील की।वहीं, लालू यादव की बेटी और राजद नेता रोहिणी आचार्य ने अपने एक्स पोस्ट में चुनाव को "धर्मयुद्ध" करार दिया। उन्होंने लिखा, "ये चुनाव धर्मयुद्ध है... जो जनता नीतीश सरकार के खिलाफ लड़ रही है। विजय सत्य की होगी।" रोहिणी ने अपने परिवार के साथ मतदान की तस्वीर साझा करते हुए कहा कि बिहार की जागरूक जनता अब बदलाव चाहती है और महागठबंधन की सरकार ही राज्य में "पढ़ाई, दवाई, कमाई, सुनवाई और कार्रवाई" सुनिश्चित करेगी।पहले चरण की वोटिंग के साथ ही बिहार में सत्ता परिवर्तन की जंग और तेज हो गई है। अब सबकी निगाहें 121 सीटों के मत प्रतिशत और जनता के फैसले पर टिकी हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव : झाझा में मुख्यमंत्री ने विकास, सुशासन और नारी सशक्तिकरण पर दिया जोर

बिहार में भय नहीं, शांति और विश्वास का माहौलः नीतीश कुमार

बीएनएम @ जमुई/झाझा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को झाझा के रेलवे चांदवारी मैदान में आयोजित एक विशाल जनसभा में भाग लेकर एनडीए प्रत्याशी दामोदर रावत के समर्थन में वोट मांगा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर में मतदान किया और फिर निर्धारित समय पर राज्यसभा सांसद संजय झा के साथ हेलीकॉप्टर से झाझा पहुंचे। आगमन पर जदयू कार्यकर्ताओं व स्थानीय नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सभा स्थल पर भारी भीड़ उमड़ी थी और "फिर एक बार, नीतीश कुमार" के नारों से पूरा मैदान गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में 20 वर्षों के शासनकाल की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि बिहार ने भय और अराजकता की राजनीति से निकलकर विकास, सुशासन और सामाजिक सौहार्द की राह अपनाई है। उन्होंने कहा, "पहले बिहार में लोग शाम के बाद घर से निकलने में डरते थे, बिजली और सड़क की स्थिति दयनीय थी। आज हर गांव में बिजली है, सड़कों का जाल बिछा है और शिक्षा का स्तर बेहतर हुआ है।"नीतीश कुमार ने कहा कि उनकी सरकार ने बिना भेदभाव सभी वर्गों के लिए कार्य किया है। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए बताया कि "मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना" के तहत राज्य की हर घर की एक महिला को 10,000 रुपये की सहायता दी जा रही है। अब तक 1 करोड़ 21 लाख महिलाएं इस योजना का लाभ ले चुकी हैं। सफल महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में अब भय नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा का माहौल है। उन्होंने युवाओं, किसानों और छात्रों के हित में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी और जनता से अपील की कि वे एनडीए प्रत्याशी दामोदर रावत को भारी मतों से विजयी बनाकर विकास यात्रा को आगे बढ़ाएं। राज्यसभा सांसद संजय झा ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने नई ऊँचाइयाँ हासिल की हैं और दामोदर रावत उनके पुराने सहयोगी हैं। दामोदर रावत ने अपने संबोधन में कहा कि सीएम के नेतृत्व में झाझा सहित पूरे बिहार में अभूतपूर्व विकास हुआ है।कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। स्थल पर एसडीपीओ राजेश कुमार, थानाध्यक्ष संजय कुमार सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात थे।

दामोदर रावत के पक्ष में चुनावी सभा में शिरकत करते सीएम नीतीश कुमार

सभा स्थल पर उमड़ी भीड़

सीएम की झलक देखने वालों की भीड़ अत्यधिक

बीएनएम @ जमुई/झाझा

गुरूवार को रेलवे चांदवारी मैदान में एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी दामोदर रावत के पक्ष में मतदान करने को लेकर जनसभा कार्यक्रम में पहुंचे सीएम नीतीश कुमार की झलक देखने वालों की अत्यधिक भीड़ उमड़ी थी तो वही कई समर्थक दूसरे विधानसभा क्षेत्र से भी पहुंचे हुए थे। कोई हाथों में जदयू पार्टी का सेम्बल लिए हुए था तो कार्यक्रम में पहुंचे मुस्लिम कार्यकर्ता ने भी विपक्ष पर अपनी भड़ास निकलाते हुए मुस्लिम समुदाय के लिए विकास कार्य करने वाले सीएम नीतीश कुमार के पक्ष में खूब प्रशंसा व्यक्त किया। वही कई महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता ने सीएम नीतीश कुमार एवं प्रत्याशी दामोदर रावत के पक्ष में बयान रखते हुए कहा कि बिहार में अमन चैन सीएम की है देन है। महिलाएं आज अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रही है सीएम ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग प्रदान किया तो दामोदर रावत के बारे में लोगों ने कहा कि इनके कार्यकाल में झाझा विधानसभा क्षेत्र काफी विकसित हुआ और सीएम के द्वारा चलाये जा रहे सभी जन कल्याणकारी योजना को शहर से लेकर गांव गांव तक पहुंचाया।

सीएम को देखने को लेकर लगीं भीड़

बिहार में बनेगी एनडीए की सरकारः मीणा झा

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री मीणा झा ने भी मतदान कर लोकतंत्र के इस पर्व में भाग लिया। उन्होंने मतदान केंद्र पर पहुंचते ही लोगों को संदेश दिया– "पहले वोट, फिर जलपान।"मीणा झा ने कहा कि हर नागरिक का यह दायित्व है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत बनाए। उन्होंने कहा, "हमारी एक-एक वोट न सिर्फ सरकार बनाती है, बल्कि बिहार के विकास की दिशा भी तय करती है।"मतदान के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि इस बार राज्य में एनडीए की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने बताया कि जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में किए गए विकास कार्यों पर भरोसा कर रही है।मीणा झा ने महिलाओं से विशेष अपील की कि वे घर से निकलें और निडर होकर मतदान करें। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में एनडीए सरकार ने जो काम किया है, उसे आगे बढ़ाने के लिए एकजुट होकर वोट करना जरूरी है।मतदान केंद्र पर मीणा झा के साथ बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता भी मौजूद थीं, जिन्होंने "पहले मतदान, फिर जलपान" का नारा लगाते हुए लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया।

भाजपा की प्रदेश महामंत्री

ओसामा शहाब संग बूथ पहुंचीं 95 साल की दादी

» हर वोट हमारा है : हीना शहाब

बीएनएम @ सीवान

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण में शनिवार को 121 सीटों पर मतदान जारी है। सुबह से ही बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतारें दिखीं, जो लोकतंत्र के प्रति लोगों के उत्साह को दर्शा रही थीं। इन्हीं सीटों में से एक है सीवान की रघुनाथपुर विधानसभा, जहां आज भावनाओं और राजनीतिक विरासत दोनों की परीक्षा हो रही है।यहां दिवंगत पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब पहली बार चुनावी मैदान में हैं। वोटिंग के दौरान का एक भावुक दृश्य तब सामने आया जब ओसामा के साथ उनकी 95 वर्षीय दादी और मां हीना शहाब भी बूथ तक पहुंचीं। प्रतापपुर गांव स्थित मतदान केंद्र पर जब शहाबुद्दीन की मां व्हीलचेयर पर वोट डालने आईं, तो पूरा माहौल भावनाओं से भर गया। स्थानीय लोगों ने कहा कि "शहाबुद्दीन साहब की यादें आज भी ताज़ा हैं, और उनका परिवार यहां की आत्मा से जुड़ा हुआ है।"हीना शहाब, जिन्होंने पिछला लोकसभा चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ा था, आज बेटे के समर्थन में वोट डालने पहुंचीं। मतदान के बाद उन्होंने मीडिया से कहा, "मेरा बेटा ओसामा जनता की सेवा के मकसद से राजनीति में आया है। उसके खिलाफ निजी हमले किए गए, लेकिन जनता सब जानती है। यह इलाका हमारा है और यहां का हर वोट हमारा है।"रघुनाथपुर सीट पर इस बार मुकाबला दिलचस्प माना जा रहा है। एक ओर ओसामा शहाब अपने पिता की राजनीतिक विरासत और भावनात्मक जुड़ाव पर भरोसा कर रहे हैं, तो दूसरी ओर एनडीए उम्मीदवार संगठन और सत्ता के सहारे मैदान में हैं। मतदान के बीच लोगों में यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि क्या "शहाबुद्दीन परिवार" एक बार फिर सीवान की सियासत में पुरानी पकड़ बना पाएगा।

सीवान में एक बूथ पर वोट डालती बुजुर्ग महिला

मुजफ्फरपुर में विदेशी मेहमानों ने देखा लोकतंत्र का पर्व

» बोले,भारत की चुनावी व्यवस्था अद्भुत और पारदर्शी

बीएनएम @ पटना/ मुजफ्फरपुर

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के दौरान गुरुवार को मुजफ्फरपुर में लोकतंत्र का जश्न केवल देशवासियों ने ही नहीं मनाया, बल्कि विदेश से आए मेहमान भी इस अद्भुत प्रक्रिया के साक्षी बने। फिलीपींस से आए प्रतिनिधिमंडल ने जिले के कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और भारत की चुनावी व्यवस्था की पारदर्शिता व संगठन क्षमता की खुलकर सराहना की।प्रतिनिधिमंडल में फिलीपींस एंबेसी की मेलिसा एन्री टेलन और रोगेलियो बी. सिल्वा शामिल थे। दोनों ने मतदान केंद्रों पर जाकर मतदाताओं की पहचान, ईवीएम और वीवीपैट (VVPAT) मशीनों के उपयोग, मतदाता सहायता डेस्क, सुरक्षा व्यवस्था और वेबकास्टिंग की लाइव मॉनिटरिंग जैसी व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि भारत जैसा विशाल देश जिस अनुशासन और पारदर्शिता के साथ चुनाव कराता है, वह विश्व के लिए एक मिसाल है।प्रतिनिधिमंडल ने अपने दौरे की शुरुआत रेलवे प्रशिक्षण केंद्र, कंपनी बाग से की। इसके बाद उन्होंने आदर्श राजकीय मध्य विद्यालय, सरैयागंज बैंक रोड स्थित मतदान केंद्र का निरीक्षण किया, जिसे मुजफ्फरपुर की प्रसिद्ध लीची थीम पर सजाया गया था। मतदान केंद्र को आकर्षक तोरण द्वार, लीची के गुच्छों, लोक कला और सेल्फी प्वाइंट से सजाया गया था। यह केंद्र मतदाता जागरूकता कार्यक्रम स्वीप (SVEEP) के तहत तैयार किया गया था, जिसका उद्देश्य मतदान को जन-उत्सव का रूप देना है।मतदान केंद्रों पर पहुंचने पर विदेशी मेहमानों ने महिला, बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं की भागीदारी को भी सराहा। उन्होंने कहा कि भारत में चुनाव केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र का जीवंत उत्सव है, जहां हर व्यक्ति की आवाज को महत्व दिया जाता है।जिला निर्वाचन पदाधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि पूरे जिले में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा है और मतदाताओं की सुविधा के लिए हर स्तर पर व्यवस्था की गई है।दौरे के अंत में फिलीपींस प्रतिनिधियों ने कहा, "भारत में जिस पैमाने पर चुनाव कराए जाते हैं, वह अद्वितीय है। यहां का अनुशासन, पारदर्शिता और जनसहभागिता देखकर लगता है कि लोकतंत्र वास्तव में जनता के हाथों में है।

मतदान देखते विदेशी मेहमान

अशोक चौधरी और सांसद शांभवी चौधरी ने किया मतदान

बीएनएम @पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के तहत राजधानी पटना में शांतिपूर्ण माहौल में मतदान संपन्न हुई । इसी क्रम में जेडीयू के वरिष्ठ नेता अशोक चौधरी, उनकी पत्नी नीता चौधरी, और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने बुद्धा कॉलोनी स्थित एसटी पॉल स्कूल मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।वोट डालने के बाद अशोक चौधरी ने जनता से विकास के मुद्दे पर मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा, "मैं बिहार की जनता से यही आग्रह करता हूं कि जाति और क्षेत्र से ऊपर उठकर विकास के लिए वोट करें। अब वक्त है कि हम अपने बच्चों के भविष्य और राज्य की प्रगति को प्राथमिकता दें। जो पार्टी बिहार को आगे ले जा सकती है, उसी का चयन करें।"उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने शिक्षा, सड़क, बिजली और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। "हमें इस प्रगति को आगे बढ़ाना है और बिहार की विकास यात्रा को रुकने नहीं देना है," उन्होंने जोड़ा।वहीं, सांसद शांभवी चौधरी ने मतदान को लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व बताया। उन्होंने कहा, "संविधान ने हमें जो सबसे बड़ा अधिकार दिया है, वह मतदान का अधिकार है। हर नागरिक को इस अधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। यही राज्य और देश की मजबूती की नींव है। पटना सहित 18 जिलों में पहले चरण का मतदान शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में जारी है। निर्वाचन आयोग ने बताया कि सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

चुनाव हारते-हारते टूट गया उनका मनोबल, बहाने तलाशने में लगाते हैं पूरा समय : चिराग

बीएनएम @ खगड़िया

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के बीच केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने अपने गृह जिले खगड़िया में मतदान किया। वोट डालने के बाद उन्होंने मतदाताओं से लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।चिराग ने कहा कि चुनाव सिर्फ सरकार बदलने का माध्यम नहीं है, बल्कि जनता की आवाज को मजबूत करने का जरिया है। उन्होंने कहा, "हर नागरिक को यह जिम्मेदारी निभानी चाहिए कि वह अपने गांव, समाज और राज्य के विकास के लिए वोट करे। यही लोकतंत्र की असली ताकत है।"महागठबंधन पर निशाना साधते हुए चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष जनता की सेवा करने के बजाय बहाने तलाशने में अधिक समय लगाता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "हार से पहले ही ये लोग हार का बहाना ढूंढ लेते हैं। अगर उन्हें कोई शिकायत है तो न्यायालय का दरवाजा खुला है।"कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए चिराग ने कहा, "लगातार चुनाव हारने से किसी का भी मनोबल टूट सकता है। राहुल गांधी भी उसी दौर से गुजर रहे हैं। जब बयानबाजी ठंडी पड़ जाएगी तो वे कोई नया मुद्दा उठाएंगे।"उन्होंने दावा किया कि बिहार की जनता विकास और स्थिरता के पक्ष में वोट कर रही है। चिराग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने जो प्रगति की है, वह आगे भी जारी रहेगी।

चिराग पासवान

लोकतंत्र का पर्व है, सभी करें अपने मताधिकार का प्रयोग : प्रत्यय अमृत

मुख्य सचिव ने परिवार संग किया मतदान

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण में राजधानी पटना में मतदान शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई । इस बीच राज्य के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने अपने परिवार के साथ मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वोट डालने के बाद उन्होंने कहा कि "आज लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है। हर नागरिक को इसमें भाग लेना चाहिए ताकि लोकतंत्र और अधिक मजबूत हो।"मुख्य सचिव ने इसे अपने जीवन का महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए कहा, "मैं और मेरा परिवार हर चुनाव में वोट डालते हैं क्योंकि यह हमारा संवैधानिक दायित्व है। आज हमने सपरिवार मतदान किया है और बिहार के हर नागरिक से अनुरोध है कि वे भी अपने बूथ पर जाकर मतदान करें। यह प्रजातंत्र के लिए बहुत बड़ा दिन है।"प्रत्यय अमृत ने बताया कि राज्यभर में चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार व्यवस्थाएं सख्ती से लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है और अब तक किसी भी जगह से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। उनका कहना था कि सरकार का लक्ष्य शांतिपूर्ण, पारदर्शी और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करना है।इधर, पटना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी पूरी तरह सतर्क नजर आए। डीएसपी अनु कुमारी ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते हुए कहा कि मतदान शांतिपूर्ण ढंग से जारी है और मतदाताओं को बिना किसी भय या दबाव के मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।राजधानी के विभिन्न इलाकों में सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। पहली बार वोट डालने वाले युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों में खासा उत्साह नजर आया।मुख्य सचिव और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के मतदान से लोगों में जागरूकता का संदेश गया है। बिहार के 18 जिलों में पहले चरण का मतदान शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से जारी है।

मतदान के बाद अपने परिवार के साथ स्याही दिखाते मुख्य सचिव

संपादकीय

सहन करना सीखें

व्यक्ति स्वयं ही बेचैनी का जीवन जीता है और अकारण ही जीवन में अनेक कष्टों को आमंत्रित कर लेता है। एक आदमी था। वह सदा प्रसन्न रहता था। एक दिन उसको उदास देखकर मित्र ने पूछा, मित्र! तुम सदा प्रसन्न रहते थे। तुम्हारी सारी अनुकूलताएं थीं। पर आज तुम बहुत उदास दिख रहे हो, यह क्यों? उसने कहा, मेरी प्रसन्नता गायब हो गई। आज से नहीं, बारह महीनों से वह गायब है। इसका भी कारण है। पहले इस गांव में मेरा मकान सबसे ऊंचा था। न जाने एक व्यक्ति कहां से आ टपका कि उसने मेरे मकान से भी ऊंचा मकान बना डाला। उसी दिन से मेरी प्रसन्नता समाप्त हो गई। इसकी कोई दवा नहीं है। आयुर्वेद विज्ञान में, मेडिकल साइन्स में, साइकोलॉजी में इसकी कोई दवा नहीं है। यह साइकोसोमेटिक बीमारी भी नहीं है। इसका कोई स्पष्ट कारण नहीं बना। दूसरे की विशेषता को, दूसरे की सम्पन्नता को सहन न करना ही इसका कारण है। ऐसी बीमारी का उपाय यह है कि व्यक्ति अपनी शक्ति को बढ़ाए, तीन मंजिले मकान के स्थान पर पांच मंजिला मकान बनाने पांच मंजिले के स्थान पर सात मंजिला मकान बनाने की क्षमता को विकसित करे और अधिक कमाए, और अधिक श्रम करे। यह उसका सकारात्मक पक्ष है। मनुष्य का दृष्टिकोण सकारात्मक कम होता है, नकारात्मक अधिक। एप्रोच नेगेटिव होने के कारण वह दुखी होता है। इससे असहिष्णुता का भाव जागता है और असहिष्णुता राहू की भांति चांद को निरंतर ग्रसित करती रहती है।

सड़कों पर बिखर रहे मानव के चिथड़े, मानव खून से लाल होती सड़कें चिंतनीय ?

नरेन्द्र भारती

देश में प्रतिदिन हो रहे सड़क हादसों के कारण मानव खून से सड़कें लाल हो रही है सड़कों पर मानव के चिथडे बिखर रहे हैं यह बहुत ही चिंतनीय है। क्योंकि सड़कों पर मौत रेंग रही है लाशों के अंबार लग रहे हैं।3 नवंबर 2025 को राजस्थान के जयपुर व तेलंगाना के रंगारेडडी में बहुत ही भीषण हादसों में काफी लोगों की दर्दनाक मौतें होने से रौगटें खडे हो जाते हैं।जयपुर में तेज रफतार डंपर ने करीब एक दर्जन गाड़ियों को टक्कर मारी जिसमें करीब तेरह लोगों की मौत हो गई और दस लोग घायल हो गए। तेलंगाना के रंगारेडडी में एक सड़क हादसे में 24 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए।मिटटी से भरे डंपर ने राज्य परिवहन की बस को टक्कर मार दी डंपर की मिटटी बस के अंदर यात्रियों पर गिर गई और यात्री दब गए बस में 70 यात्री सवार थे बस में जयादातर कालेज के छात्र थे। यह बस तंदूर से हैदराबाद जा रही थी। बेशक प्रतिवर्ष सड़क हादसों को रोकने व सड़क सुरक्षा हेतू करोडों रुपया बहाया जाता है मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात ही निकलता है अगर सही तरीके से पैसा खर्चा किया जाए तो इन हादसो पर विराम लग सकता है मगर ऐसा नहीं हो रहा है हर वर्ष लाखों लोग मारे जा रहे है।देश में प्रतिदिन इतने भीषण व दर्दनाक व खौफनाक सड़क हादसे हो रहे है कि पूरे के पूरे परिवार मौत की नींद सो रहे हैं।देश के प्रत्येक राज्यों तथा महानगरों व शहरों से लेकर गांवों तक हर रोज लाशें बिछ रही है बेकसूर लोग बेमौत मारे जा रहे है।24 अक्तूबर 2025 की अल सुबह आंध्रप्रदेश के कुरनुल जिला के चिन्नातेकुर के पास एक प्राईवेट बस व दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई जिससे 22 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई बस में 44 यात्री सवार थे।18 यात्री जीवित हैं। हादसे में शव पूरी तरह जल चुके हैं उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया हे। 14 अक्तूबर 2025 को भी राजस्थान के जैसलमेर में एक बस को आग लग जाने से 22 यात्री बेमौत मारे गए थे। देश की सड़कों पर लाशों के चिथड़े बिखर रहे हैं।लाशों के अंबार लग रहे है। आंकडो के अनुसार 8 जुलाई 2019 सोमबार को उत्तर प्रदेश के आगरा के यमुना एक्सप्रैस वे पर एक भीषण सडक हादसे में 29 लोग की दर्दनाक मौत हो गइ थी और 23 घायल हो गए थे।यह हादसा तक हुआ जब लोग गहन निंद्रां में सोए थे।यह बस एक नाले में गिरी थी ।यह बस लखनउ से दिल्ली आ रही थी।यह हादसा सुबह चार बजे के करीब हुआ था।सफर कर रहे लोगों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा कि यह उनका आखिरी सफर होगा।सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे है।इस शाप से कब मुक्ति मिलेगी यह एक यक्ष प्रश्न है। लापरवाहियों व जानबूझकर हादसे हो रहे है।एक चालक की गलती से लोगों को मौत नसीब हो रही है।आंकडें बताते है कि सड़क दुर्घटनाओं में भारत अन्य देशों से शीर्ष पर है। हिमाचल के बंजार में भी एक बस हादसे में 45 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।अभी इस हादसे की स्याही भी नहीं सूखी थी कि1 जुलाई 2019 को जम्मू-कश्मीर के किशतवाड़ जिले में एक मिनी बस के खडड में गिरने से 35 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।28 सीटर बस में 52 लोग सवार थे।पल भर में लाशों में तब्दील हो गए।लोगों की अकाल मौत हो गई थी।गत वर्ष1 जुलाई 2018 को एक ऐसा ही बस हादसा उतराखंड में घटित हुआ था।उतराखंड के गढवाल मंडल के पौडी जिले के नैनीडांडा विकास खंड के पिपली भौन मोटर मार्ग पर धूमाकोट के नजदीक एक यात्रियों से भरी एक बस के 70 फुट गहरी खाई में गिर जाने से 50 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी बस में मरने वालों में 22 पुरुष तथा 17 महिलाए और आठ बच्चे शामिल थे।ऐसा ही एक भीषण हादसा पशिचिमी बंगाल में हुआ जहां 29 जनवरी 2018 को पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के इस्माइलपुर में एक सरकारी बस के नदी में गिरने से 36 यात्रियों की मौत हो गई। यह बस नदी पर बनी रेलिंग तोड़कर नदी में जा गिरी।9 यात्रियों ने तैर कर अपनी जान बचा ली तथा 9 लोग घायल हो गए थे।बस में 60 यात्री सफर कर रहे थे।यह दर्दनाक हादसा सुबह छह बजे के करीब हुआ। बेशक प्रतिवर्ष जनवरी माह में पूरे भारतवर्ष में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। क्योंकि प्रशासन द्वारा लोगों को इन सात दिनों में यातायात नियमों के बारे में बताया जाता है फिर पूरा वर्ष लोग अपनी मनमानी करते है और यातयात नियमों का उल्लंघन करते है और मौत के मुंह में समाते जा रहे हैं 2025 के पहले सप्ताह से ही लोग सड़क हादसों में मारे जा रहें है।दस महिनों में लाखों लोग मारे जा चुके है। यह आंकड़ा बडे पैमाने पर बढता जा रहा है इसे सरकारों की लापरवाही की संज्ञा देना गलत नहीं होगा।हर रोज सड़क हादसों में मौते हो रही है।अक्सर देखा गया है कि ज्यादातर सड़क हादसे सर्दियों में होते है क्योकि धुंध के कारण आपसी टक्कर में दुर्घटनाएं होती हैं। पंजाब, दिल्ली व उतरप्रदेश व हिमाचल प्रदेश में धूंध के कारण दर्जनों हादसों में सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं। मगर राज्यों की सरकारों को इससे कोई सरोकार नहीं है। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है।सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी।जागरुकता अभियान चलाने होगें। सरकारों को लोगों को यातयात नियमों से संबधित शिविरों का आयोजन करना चाहिए।आज करोडों के हिसाब से वाहन पंजीकृत है मगर सही ढंग से वाहन चलाने वालो की संख्या कम है क्योकि आधे से ज्यादा लोगों को यातयात के नियमों का ज्ञान तक नहीं होता।पुलिस प्रशासन चालान काटकर अपना कर्तव्य निभा रहे है मगर चालान इसका हल नहीं है इसका स्थायी समाधान ढूंढना होगा।आज बिना हैलमैट के नाबालिग से लेकर अधेड़ उम्र के लोग वाहनो को हवा में चलाते है और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। जानबूझकर व नशे की हालत में दुर्घटना करने वाले चालकों के लाईसैस रदद करने चाहिए। ज्यादातर हादसे में नाबालिग चालक ही मारे जाते हैं। प्रशासन की लापरवाही के कारण भी इसमें साफ झलकती है क्योकि आज फर्जी लाईसैसों के बलबूते बहुत से वाहन चालक वाहन चलाते है यदि सही तरीके से पूरी औपचारिकताएं निभा कर लाईसैंस जारी किए जाएं तो अधिकांश लोग फेल हो जाएगें कुछ लोग अपनी पहुंच के कारण लाईसैंस बनवा लेते है भले ही उन्हे गाड़ियों का ज्ञान तक नहीं होता इस बाबत प्रशासन को सख्ती बरतनी चाहिए कि चाहे कितनी भी बड़ी पहुंच वाला हो पूरें नियमों को पूरा करने के बाबजूद ही लाईसैंस जारी किया जाए। अगर ऐसा किया जाता है तो निश्चित रुप से दुर्घटनाओं में कमी आ सकती है।आज ज्यादातर युवा व लोग शराब पीकर व अन्य प्रकार का नशा करके वाहन चलाते है नतीजन खुद ही मौत को दावत देते हैं भले ही पुलिस यन्त्रों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कस रही है मगर फिर भी लोग नियमों का उल्लघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। सरकार द्वारा पुलिस को दी गई हाईवे पैट्रोलिंग की गाड़ियां भी यातायात को कम करने में नाकाम साबित हो रही हैं।जयादातर हादसे ओवर स्पीड के कारण हो रहे है। बढती सड़क दुर्घटनाओं के अनेक कारण है सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि 80 प्रतिशत हादसे मानवीय लापरवाही के कारण होते हैं।लापरवाह लोग सीट बैल्ट तक नहीं लगाते और तेज रफतार में वाहन चलाते हैं।देश में सड़क हादसों में स्कूली बच्चों के मारे जाने के हादसे भी समय-समय पर होते रहते हैं मगर कुछ दिन चैक रखा जाता है फिर वही परिपाटी चलती रहती है।जबकि होना तो यह चाहिए कि इन लापरवाह चालको को सजा देनी चाहिए ताकि मासूम बेमोत न मारे जा सके। अक्सर देखा गया है कि वाहन चालकों के पास प्राथमिक चिकित्सा बाकस तक नहीं होतें ताकि आपातकालिन स्थिती में प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाई जा सके । प्रत्येक साल नवरात्रों में श्रध्दालू मंदिरों में ट्रको में जाते है और गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है तथा मारे जाते हैं।ओबरलोडिग से भी ज्यादातर हादसे होते हैं। सरकारों को अपना दायित्व निभाना चाहिए ताकि सड़क दादसों पर पूरी तरह रोक लग सके। बेलगाम हो रहे यातायात पर लगाम लगाना सरकार व प्रशासन का कर्तव्य है लोगों को भी इसमें सहयोग करना होगा तभी इस समस्या का स्थायी हल हो सकता है यदि लोग सही तरीके से यातायात नियमों का पालन करते है तो सड़को पर हो रहे मौत के तांडव को रोका जा सकता है।सडक हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं।केन्द्र सरकार को इस पर गौर करना होगा तथा देश में बढ रही सड़क दुर्घटनाओ पर रोक के लिए कारगर कदम उठाने होगें। मावन जीवन को बचाना होगा क्योकि मानव जीवन दुर्लभ है।।दुर्घटनाओं का कहर बरपता रहेगा। सरकार को इन हादसों से सबक लेना चाहिए और व्यवस्था की खामियों को दूर करना चाहिए।यदि सरकारे ऐसे ही सोती रहेगी तो देश की सड़के खून से लाल होती रहेगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जिस राष्ट्र में चरित्रशीलता नहीं है उसमें कोई योजना काम नहीं कर सकती।

\- विनोबा भावे

जिस प्रकार नेत्रहीन के लिए दर्पण बेकार है उसी प्रकार बुद्धिहीन के लिए विद्या बेकार है। - प्रेमचंद

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, मार्ग शीर्ष कृष्ण पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय पूर्व तिथि दोइज, शुक्रवार, कृतिका रोहणी नक्षत्र, गर करणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा, जातकर्म, नामाकरण, अन्न प्रासन्न, वृक्षारोपण, तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तमवृत्ति वाला, योगी-भोगी तथा धनी-मानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, सनातनी धर्म वाला होगा। पुरुष होगा।

मेष राशि :- इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, सम्पत्ति विषयक समस्यायें अवश्य कम होंगी।

वृष राशि :- स्त्री-वर्ग से भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति अवश्य होगी, सफलता के साधन अवश्य जुटायें।

मिथुन राशि :- कार्य कुशलता में सुधार, बड़े-बड़े लोगों से मेल-मिलाप सुखवर्धक होगा।

कर्क राशि :- किसी उपद्रव से अशांति संभव है, मान-प्रतिष्ठा मंक वृद्धि के योग बनेंगे।

सिंह राशि :- योजना सफल होगी, शरीर कष्ट व मानसिक बेचैनी बनें, कार्य बन ही जायेंगे।

कन्या राशि :- समय अनुकूल नहीं, विशेष कार्य स्थिगित रखें, लेन-देन के मामले में हानि होगी।

तुला राशि :- कार्य कुशलता से संतोष एवं स्थिति पर नियंत्रण रखें, रुके कार्य बन जायेंगे।

वृश्चिक राशि :- योजनायें सफल होंगी, शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी, कार्य मन लगाकर निपटा लें।

धनु राशि :- थकावट बेचैनी, किसी कष्ट में फंसने से बचिये, व्यापारिक क्षमता से लाभ होगा।

मकर राशि :- विरोधी तत्व परेशान करें, मित्रों से कष्ट, आरोप तथा मानसिक क्लेश बनेगा।

कुंभ राशि :- असमंजस व असमर्थता का वातावरण क्लेशयुक्त रखे, प्रत्येक कार्य में बाधा होगी।

मीन राशि :- विरोध एवं विवाद से बचें, कार्यगति में बाधा, विघटनकारी तत्व परेशान अवश्य करेंगे।

बिहार : क्या यही है सुशासन के दावों की हक़ीक़त?

निर्मल रानी

बिहार विधानसभा चुनाव अपने अंतिम पड़ाव की ओर अग्रसर है। दावों प्रतिदावों और आरोपों व प्रत्यारोपों का दौर अपने चरम पर है। सत्ता की तरफ़ से चुनाव जीतने के लिये सबसे अधिक ज़ोर लगाया जा रहा है। हरियाणा सहित कई अन्य भाजपा शासित राज्यों से तो बिहारी मतदाताओं को विशेष ट्रेन्स द्वारा मतदान करने हेतु बिहार भेजा जा रहा है। उधर भाजपा स्टार प्रचारक नीतीश सरकार को सुशासन व भ्रष्टाचार मुक्त सरकार के रूप में प्रचारित करते नहीं थक रहे। परन्तु सुशासन व भ्रष्टाचार मुक्त बिहार के इन्हीं दावों के बीच कुछ ऐसे सनसनीख़ेज़ रहस्योद्घाटन हो रहे हैं व घटनायें घटित हो रही हैं जिन्होंने बिहार में सुशासन व भ्रष्टाचार मुक्त सरकार की क़लई खोल कर रख दी है। हैरानी की बात तो यह है कि इसतरह के खोखले दावों की हवा निकालने में किसी सत्ता विरोधी दल या विपक्ष की कोई भूमिका नहीं है बल्कि स्वयं भाजपा-जे डी यू के नेता ही इस क़लई खोल अभियान के मुख्य सूत्रधार हैं। सबसे पहले तो ज़िक्र करते हैं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजकुमार सिंह (आरके सिंह) के बयानों का। आर के सिंह बिहार के आरा से दो बार सांसद रह चुके हैं और मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में वे ऊर्जा मंत्री थे। उनकी गिनती भाजपा के वरिष्ठ नेता के रूप में होती है। सर्वप्रथम तो आर के सिंह ने चुनाव अभियान के बीच ही गत 20 अक्टूबर को एक वीडियो संदेश जारी कर मतदाताओं से अपील की थी कि वे अपराधी और भ्रष्ट छवि वाले उम्मीदवारों को वोट हरगिज़ न दें। उन्होंने विशेष रूप से जेडीयू के मोकामा से उम्मीदवार अनंत सिंह व भाजपा के तारापुर से उम्मीदवार व बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का नाम लिया था। उस सन्देश में सिंह ने यहां तक कहा था कि ऐसे उम्मीदवारों को वोट देना चुल्लू भर पानी में डूब मरने से भी बदतर है, क्योंकि ये जनता का ख़ून चूस रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं को हटाकर ही बिहार का विकास संभव है, और यदि सभी उम्मीदवार ऐसे हों तो मतदाता नोटा का विकल्प चुनें। सिंह ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले इसी तरह के कुल 8 उम्मीदवारों के नाम लिए। अब आरके सिंह के इस बयान को भाजपा के अंदर सुलग रही बग़ावत की चिंगारी के रूप में देखा जा रहा है। आर के सिंह के उपरोक्त बयानों पर अभी चर्चा चल ही रही थी कि पिछले दिनों उन्होंने बिजली घोटाला सम्बन्धी एक और बड़ा धमाका कर दिया। उन्होंने बिहार की एनडीए सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। ये आरोप मुख्य रूप से बिहार में बिजली विभाग से जुड़े 62,000 करोड़ रुपये के घोटाले से संबंधित हैं, जो बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के ठीक पहले यानी गत 4 नवंबर को सामने लाये गये हैं। इन आरोपों के अनुसार बिहार सरकार ने एक थर्मल पावर प्लांट के निर्माण के लिए अदानी ग्रुप से सम्बंधित एक कंपनी को अत्यधिक ऊंची क़ीमत पर अनुबंध दिया। इस अनुबंध के तहत कंपनी को 25 वर्षों के लिए बिजली की क़ीमत 6.075 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित की गई, जो बाज़ार दर से काफ़ी अधिक है। इससे सरकार को पूंजी की वापसी के साथ-साथ अतिरिक्त लाभ होगा, जो कुल 62,000 करोड़ रुपये का नुक़सान बिहार के बिजली उपभोक्ताओं को पहुंचाएगा। उन्होंने बिहार सरकार के बिजली विभाग के कई अधिकारियों को इस घोटाले के लिये आरोपित करते हुये सीबीआई से इसकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की, ताकि दोषियों पर कार्रवाई हो सके। सिंह का आरोप है कि यह घोटाला सीधे तौर पर बिहार के लोगों को प्रभावित करेगा, क्योंकि बिजली के दाम बढ़ेंगे। इससे पहले भी आर के सिंह राज्य की सुशासन कही जाने वाली नीतीश सरकार पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगा चुके हैं। परन्तु चुनावों के बीच उनके द्वारा लगाये जा रहे उपरोक्त गंभीर आरोपों ने बिहार में कोहराम मचा दिया है। विपक्षी महागठबंधन इन आरोपों को अपने हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। दूसरी बड़ी घटना केंद्रीय मंत्री लल्लन सिंह से संबंधित है। गत 4 नवंबरको पटना ज़िला प्रशासन ने लल्लन सिंह के विरुद्ध एफ़ आई आर दर्ज की है। ललन सिंह ने मोकामा में जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह जोकि इस समय दुलारचंद यादव हत्याकांड के मामले में बेऊर जेल में बंद हैं के समर्थन में किये जा रहे प्रचार के दौरान एक सभा में कहा कि कुछ नेताओं को वोटिंग के दिन घर में बंद कर दो।

नैतिकता, ईमानदारी और सुशासन एक आदर्श शासन प्रणाली के स्तम्भ, ईमानदार उमीदवारों का चयन करें

कांतिलाल मांडोत

भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहाँ जनता की इच्छा ही सर्वोपरि मानी जाती है। लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसके चुनाव कितने निष्पक्ष, पारदर्शी और नैतिक आधारों पर संचालित होते हैं। चुनाव केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेही की कसौटी भी है। बिहार, जो भारत के राजनीतिक इतिहास में एक अहम स्थान रखता है, यहां के चुनाव हमेशा से देशभर में चर्चा का विषय रहे हैं। ईमानदारी, नैतिकता और सुशासन—ये तीनों शब्द न केवल एक आदर्श शासन प्रणाली के स्तंभ हैं, बल्कि बिहार की राजनीति में परिवर्तन के प्रतीक भी बन चुके हैं। बिहार चुनाव के संदर्भ में इन तीनों मूल्यों की भूमिका, चुनौतियों और संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालता है।

बिहार की राजनीतिक पृष्ठभूमि

बिहार की राजनीति ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आधुनिक भारत तक अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। जयप्रकाश नारायण के 'संपूर्ण क्रांति आंदोलन' से लेकर लालू प्रसाद यादव के सामाजिक न्याय के दौर और नीतीश कुमार के सुशासन के युग तक, बिहार की राजनीति ने हमेशा नई दिशा देने का प्रयास किया है। हालांकि, इन दशकों में जातिगत समीकरण, धनबल, बाहुबल और भ्रष्टाचार ने राजनीति की पवित्रता को कई बार प्रभावित किया। यही कारण है कि आज भी जनता के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है।क्या चुनाव में ईमानदारी, नैतिकता और सुशासन को प्राथमिकता दी जा रही है?

ईमानदारी का प्रश्न : ईमानदारी किसी भी लोकतंत्र की आत्मा होती है। यदि जनप्रतिनिधि और प्रशासन ईमानदार हों, तो विकास स्वाभाविक रूप से होता है। लेकिन बिहार की राजनीति में पूर्व की सरकारों में लंबे समय तक यह मूल्य हाशिए पर रहा।

कई चुनावों में उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज रहे, और धनबल के सहारे चुनाव जीतने की परंपरा ने ईमानदारी की जड़ों को कमजोर किया। हाल के वर्षों में हालांकि एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। युवा मतदाताओं में यह जागरूकता बढ़ी है कि ईमानदार उम्मीदवारों को वोट देना ही सच्चा लोकतंत्र है। सोशल मीडिया, जनमंचों और नागरिक संगठनों ने पारदर्शिता की मांग को बल दिया है। दल अब अपने घोषणा पत्रों में अधिक व्यावहारिक और तथ्य आधारित वादे कर रहे हैं। ईमानदारी को चुनावी मुद्दा बनाने में युवाओं और सिविल सोसाइटी की भूमिका अहम रही है।इन प्रयासों के बावजूद यह कहना कठिन है कि ईमानदारी पूरी तरह से बिहार की राजनीति में स्थापित हो चुकी है। लेकिन इसकी मांग अब जनता के एजेंडे का हिस्सा बन चुकी है, जो लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है।राजनीतिक नैतिकता का अर्थ है कि सत्ता प्राप्ति के लिए नैतिक सीमाओं का पालन करना, सार्वजनिक जीवन में आचरण की शुचिता बनाए रखना, और अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार रहना।बिहार चुनावों में नैतिकता की स्थिति मिश्रित रही है। एक ओर नेताओं ने नैतिकता की बातें कीं, तो दूसरी ओर राजनीतिक गठबंधन और दल-बदल ने उसकी परीक्षा ली है।बिहार में कई बार देखा गया है कि व्यक्तिगत लाभ या सत्ता में बने रहने के लिए राजनीतिक नैतिकता से समझौता किया गया। जाति, धर्म और क्षेत्र के आधार पर वोट माँगना आज भी नैतिकता के विपरीत माना जाता है, फिर भी यह एक आम चुनावी रणनीति बन चुकी है। चुनावों के समय जनता से किए गए वादों को पूरा न करना नैतिक पतन का द्योतक है।फिर भी, नैतिकता का पुनर्जागरण धीरे-धीरे हो रहा है। कई युवा नेता और सामाजिक कार्यकर्ता राजनीति में नैतिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।इसके अलावा, मीडिया और नागरिक संगठनों की निगरानी ने भी राजनीतिक दलों को कुछ हद तक जवाबदेह बनाया है।

सुशासन की अवधारणा : "सुशासन" शब्द बिहार की राजनीति में विशेष रूप से चर्चित रहा है। जब 2005 में नीतीश कुमार ने 'सुशासन बाबू' की छवि के साथ सरकार बनाई, तो यह नारा केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि एक नई शासन दृष्टि बन गया।सुशासन का अर्थ है—पारदर्शी, जवाबदेह, न्यायसंगत और जनहितकारी प्रशासन। बिहार ने इस दिशा में कई सुधार देखे, जैसे सड़क, बिजली, शिक्षा, कानून-व्यवस्था और महिला सशक्तिकरण में सुधार।

सुशासन के प्रमुख स्तम्भ में

कानून व्यवस्था में सुधार,पहले जहाँ अपराध राजनीति से गहराई से जुड़ा था, अब कई सुधारात्मक कदम उठाए गए। ग्रामीण सड़कों, पुलों, स्कूलों और अस्पतालों के निर्माण से जनता को राहत मिली।पंचायती चुनावों में महिलाओं को 50% आरक्षण देकर सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा दिया गया। 'साइकिल योजना' और 'पोशाक योजना' जैसे प्रयासों ने शिक्षा को बढ़ावा दिया।महिलाओं के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभ पहुंचाने का कार्य सतारूढ़ सरकार ने किया। लेकिन बिहार में यह चेतना अवश्य आई है कि शासन केवल सत्ता का खेल नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम होना चाहिए।चुनाव में तीनों मूल्यों का परस्पर संबंध है।ईमानदारी, नैतिकता और सुशासन — ये तीनों एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं।

ईमानदारी के बिना नैतिकता टिक नहीं सकती, और नैतिकता के बिना सुशासन असंभव है। यदि उम्मीदवार ईमानदार और नैतिक होंगे, तो शासन अपने आप पारदर्शी होगा। इसी प्रकार, यदि शासन ईमानदार और जवाबदेह होगा, तो जनता का विश्वास राजनीति में बढ़ेगा। बिहार के चुनावों में यह त्रिकोण अब धीरे-धीरे मजबूत हो गया । जनता अब केवल वादों पर नहीं, बल्कि उम्मीदवारों के चरित्र और नीतियों पर ध्यान दे रही है। राजनीति में नए चेहरे, युवा ऊर्जा, और सामाजिक जागरूकता इस मजबूत शासन की नींव है। यद्यपि बिहार ने कई सुधारों की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, फिर भी कुछ प्रमुख चुनौतियाँ बनी हुई हैं।धनबल और बाहुबल का हिस्सा न बनने दिया जाए। कई बार अपराध और राजनीति के गठजोड़ ने ईमानदारी को कमजोर किया।युवाओं को बेहतर अवसर मिलने से राजनीति में आदर्शवाद का विकास हुआ है। चुनावी घोषणाएँ अक्सर जमीनी हकीकत से दूर होती हैं। राजनीतिक दलों को अपने उम्मीदवार चयन में ईमानदारी और योग्यता को प्राथमिकता देनी चाहिए।शिक्षा प्रणाली में नागरिक नैतिकता और राजनीतिक जागरूकता को शामिल किया जाना चाहिए। चुनाव आयोग को अपराधियों और धनबलियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। मीडिया को निष्पक्ष रहकर जनमत निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। लोकतंत्र में जनता सबसे बड़ी शक्ति होती है। यदि मतदाता सजग, जागरूक और नैतिकता के पक्षधर होंगे, तो राजनीतिक दल स्वतः सुधार करने को बाध्य होंगे।बिहार की जनता में यह जागरूकता तेजी से बढ़ी है। आज युवा वर्ग सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रष्टाचार, अन्याय और प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ आवाज उठा रहा है।

कहो तो कह दूं : ऐसे करम करोगे तो स्वर्ग तो क्या नर्क भी नसीब नहीं होगा ट्रंप भैया

चैतन्य भट्ट

एक बड़े अखबार में आज एक खबर आई कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस बात का संदेह है कि उन्हें दुनिया से जाने के बाद स्वर्ग में जगह नहीं मिल पाएगी, इस पर अमेरिका के ही पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज बुश के सलाहकार ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ट्रंप भगवान से डील करने के चक्कर में हैं ताकि स्वर्ग में जगह मिल जाए लेकिन वे भूल गए कि वे ना तो ईश्वर को धमका सकते हैं और ना ही उन पर मुकदमा दर्ज कर सकते हैं। स्वर्ग और नरक दोनों इंसानों के कर्मों पर डिपेंड करते हैं, जो अच्छा कर्म करता है तो स्वर्ग जाता है और जो दुनिया भर के लफड़े करता रहता है उसे सीधा नर्क में भेजा जाता है, अब ट्रंप साहब को भी इस बात की तो पूरी जानकारी है कि उनके करम अच्छे नहीं है जिसको देखो उस पर टैरिफ लगाए पड़े हैं कहीं गाजा पट्टी में अपनी सेना भेज कर इजरायल के साथ मिलकर लोगों को मौत के घाट उतार रहे हैं तो कहीं दूसरे देशों से आए लोगों को हथकड़ी में बांधकर उनके देश वापस भेज रहे हैं, इसके बाद भी अगर वे ये सोचते हैं कि उन्हें स्वर्ग में अप्सराओं के साथ रहने का मौका मिलेगा तो उनसे बड़ा बेवकूफ शायद ही कोई होगा ,पहले अपने ग़रेबाँ में तो झांको कि हमने जिंदगी भर क्या किया है, किस-किस को अलसेट दी है, किस-किस की आह ली है और उसके बाद रात में सोते समय इस बात विचार करो कि क्या ऐसे कर्मों से स्वर्ग में स्थान मिल सकता है । अपने को तो लगता है कि अगर ईश्वर से गलती हो गई और उसने ट्रंप की स्वर्ग भेज दिया तो ना कहो वे दूसरे लोगों पर जो पहले से ही स्वर्ग में बैठे हैं उन पर टैरिफ लगा दें, क्योंकि उन्हें मनमाना टैरिफ लगाने की आदत जो पड़ गई है, अपनी सलाह तो ट्रंप जी को यही है कि हुजूर जितनी भी जिंदगी बची है उसमें से थोड़ा पुण्य का काम कर लो तो हो सकता है कि ऊपर वाला भी दया करके एकाध हफ्ते के लिए स्वर्ग के दर्शन करवा दे क्योंकि परमानेंट तो आपको नरक में ही जाना है वैसे जार्ज बुश के सलाहकार ने जो कुछ भी कहा है उस पर भी ट्रंप साहब को ध्यान देना होगा क्योंकि ईश्वर के दरबार में धमकी, रिश्वत, मुकदमा ये सब नहीं चलता ये सब धरती पर ही चलता है अगर स्वर्ग जाना है तो स्वर्ग जाने के लायक काम करना होगा जिसकी अपने को आपसे एक रत्ती भर की उम्मीद नहीं है ।

चर्चा में महिला डीएसपी

इन दोनों मध्य प्रदेश में महिला डीएसपी भारी चर्चा में हैं एक महिला डीएसपी पूजा पांडे तो डकैती के आरोप में जेल की रोटियां खा रही है अब एक और महिला डीएसपी कल्पना जो पीएचक्यू में अटैच है उसने अपनी ही महिला मित्र का मोबाइल और दो लाख रुपए पार कर दिए और मोहतरमा माल लेकर फरार भी हो गई, उस महिला मित्र को क्या मालूम था कि ये महिला डीएसपी पुलिस में होकर चोर का रोल निभाएगी वो तो बेचारी दोस्ती का फर्ज निभाते हुए अपने घर में उस महिला डीएसपी का आना-जाना रखती थी लेकिन महिला डीएसपी ऐसा भी कुछ कर सकती है ये तो उसने सपने में भी सोचा नहीं होगा वो तो अच्छा हुआ कि सीसीटीवी कैमरे लगे थे और कल्पना जी उसमें कैद हो गई वरना वो मित्र कभी इन पर शक भी ना कर पाती कि उनका माल उनकी ही दोस्त जो पुलिस में डीएसपी पोस्ट पर तैनात है ले उड़ेगी। डकैती वाली महिला डीएसपी तो अपने तमाम साथियों के साथ इस जेल से उस जेल में ट्रांसफर हो रही है अब देखना ये है कि ये फरार महिला डीएसपी जो अपने ही दोस्त का माल लेकर उड़ गई है , कब पुलिस की पकड़ में आती है अपने को तो लगता है कि अब भले घर की महिलाएं डीएसपी बनने में डरने लगेगी कि क्या पता डीएसपी बनते ही उसकी भी नियत डोल जाए।

समधन को ले उड़ा

कहते हैं प्यार अंधा होता है वो ना कुछ सोचता है, ना समझता है, अब देखो ना एक भाई साहब अपने बेटे के लिए लड़की ढूंढने निकले जब लड़की के घर पहुंचे तो होने वाली समधन से आंख मटक्का हो गया, एक ही नजर में भाई साहब समधन के दीवाने हो गए, इधर शादी की तैयारी चल रही थी उधर समधन अपने समधी के साथ छूमंतर हो गई, बड़ा बवाल मचा क्योंकि समधन का पति जिंदा था लेकिन कहते हैं ना जब किसी पर दिल आ जाए तो फिर कोई कुछ नहीं कर सकता, जब बहुत खोजबीन हुई तो पता लगा कि समधन समधी साहब के साथ भाग गई है। लोगों ने समझाया बुझाया कि अब आपकी उम्र ऐसी नहीं है और समधी साहब भी अर्धवार्षिक पार कर चुके हैं लेकिन दोनों पर मोहब्बत का ऐसा नशा चढ़ा था कि उन्होंने साफ-साफ कह दिया कि अपने दुनिया की कोई भी ताकत एक दूसरे से जुदा नहीं कर सकती।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2026 सत्र में भी धोनी खेलेंगे : कासी विश्वनाथ

अभी संन्यास नहीं लेंगे

एजेंसी, चेन्नई

आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के मुख्य कार्यकारी कासी विश्वनाथ ने कहा है कि आईपीएल 2026 सत्र में भी महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने की संभावनाएं हैं। इसी के साथ ही धोनी के आईपीएल से संन्यास की अटकलों पर भी विराम लग गया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि धोनी अब भी खेल में बने रहना चाहते हैं। गौरतलब है कि हाल ही में एक यूट्यूब चैनल पर जब प्रशंसकों ने कासी से धोनी के भविष्य को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने कहा कि वह अभी आईपीएल से संन्यास नहीं ले रहे। वहीं जब उनसे पूछा गया कि धोनी आखिर कब संन्यास लेंगे, तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, मैं उनसे पूछकर बताता हूं। आईपीएल का पिछला सत्र सीएसके और धोनी के लिए काफी खराब रहा था। टीम 14 में से केवल 4 मैच ही जीत पायी थी और पहली बार अंक तालिका में सबसे नीचे रही। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के सत्र में ही चोटिल होने के बाद धोनी को एक बार फिर कप्तानी संभालनी पड़ी थी हालांकि उनके कमान संभालने के बाद भी टीम का प्रदर्शन सुधर नहीं पाया। वहीं कासी ने कहा, हम जीतने की पूरी कोशिश करेंगे। यह तय नहीं कि ट्रॉफी मिलेगी पर हमारी तैयारी पूरी है। हम इस बार अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखना चाहते हैं। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने अब तक पांच आईपीएल खिताब जीते हैं।

दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ सीरीज के लिए विराट और रोहित को नहीं मिली भारत ए टीम में जगह

एजेंसी, मुम्बई

अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल नहीं किया गया है। इस सीरीज के लिए भारत ए टीम की कप्तानी तिलक वर्मा जबकि उपकप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ को दी गयी है। टीम में अधिकतर युवाओं को ही जगह दी गयी है। इस सीरीज के तीनों मैच राजकोट में 13 नवंबर, 16 नवंबर और 19 नवंबर को खेले जाएंगे। रोहित और विराट को इस सीरीज में अवसर नहीं दिये जाने से दोनो को ही झटका लगा है क्योंकि इससे इनके पास अभ्यास का अच्छा अवसर था। वैसे भी अब ये दोनो एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। रोहित और कोहली दोनों ने ही टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से से संन्यास ले लिया है। दोनों अब सिर्फ ओडीआई ही खेल रहे हैं। दोनों को किस कारण से टीम में शामिल नहीं किया गया, ये स्पष्ट नहीं है। ये भी हो सकता है कि दोनों दिग्गज स्वयं ही भारत ए की तरफ से खेलने के इच्छुक न रहें हों। ये भी हो सकता है कि टीम प्रबंधन इन दोनों दिग्गजों के प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हो कि ये बिना अभ्यास के भी रन बना सकते हैं।इसलिए युवाओं और नई प्रतिभाओं को ही अवसर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे रोहित ने लंबे ब्रेक के बाद भी शानदार प्रदर्शन किया था।

वहीं सीरीज के शुरुआती दोनों मैचों में विराट कोहली खाता तक नहीं खोल पाए थे पर अंतिम मैच में उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। तीसरे एकदिवसीय में विराट और रोहत ने शानदार साझेदारी कर टीम को जीत दिलायी थी।

भारत ए टीम- तिलक वर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, रियान पराग, ईशान किशन (विकेटकीपर), आयुष बदोनी, निशांत सिंधु, विपराज निगम, मानव सुथार, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कोच स्कालोनी बोले, टीम में अच्छे नये खिलाड़ियों को भी जगह देंगे

एजेंसी, ब्यूनस आयर्स

अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा है कि वह 2026 में होने वाले विश्वकप के लिए टीम तैयार कर रहे हैं। स्कालोनी ने कहा कि टीम में कुछ अच्छे नये खिलाड़ियों को भी अब भी जगह देने के लिए वह तैयार है। स्कालोनी ने बताया है कि वह मैत्री मैचों के जरिये अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले विश्व कप के लिए खिलाड़ियों को परखेंगे। स्कालोनी ने कहा, जाहिर है कि हम नए खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश करेंगे, यह देखने के लिए कि क्या वे टीम में शामिल किये जा सकते हैं। इन मुकाबलों में अलग-अलग खिलाड़ियों को आजमाया जाएगा। स्कालोनी ने स्वीकारा है कि अधिकांश विश्व कप टीम पहले ही तय हो चुकी है, लेकिन उन्होंने बताया कि अंतिम समय में कुछ बदलाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा, आप नहीं कहा सकते कि कब बदलाव हो सकते हैं। भले ही हमारे पास एक मजबूत टीम है पर हमें नहीं पता आगे क्या हो सकता है। पिछले विश्व कप का अनुभव हमारे पास है, जब कुछ खिलाड़ी चोटिल होने के कारण अंतिक समय में बाहर हो गए थे। यह सही है कि टीम का अधिकांश हिस्सा तय है, लेकिन हम आने वाली किसी भी तरह के हालात के लिए तैयार रहना चाहते हैं। नए खिलाड़ी अब टीम में शामिल हुए हैं। अगर हमें लगेगा कि जरूरत है, तो आगे भी नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा।अर्जेंटीना ने साउथ अमेरिकन क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करने के साथ ही पहले ही विश्वकप के लिए अपनी जगह बना ली है। स्कालोनी ने कहा कि उनकी टीम विश्व कप से पहले होने वाले सभी मुकाबलों को गंभीरता से लेगी।

तमिलनाडु के पूर्व क्रिकेटर मलोलन रंगराजन बने आरसीबी महिला टीम के नए मुख्य कोच

एजेंसी, नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) सीजन के लिए मलोलन रंगराजन को टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। वे ल्यूक विलियम्स की जगह लेंगे, जो 2024 से इस भूमिका में थे। आगामी सीजन जनवरी की शुरुआत में होना तय है। इस दौरान ल्यूक विलियम्स एडिलेड स्ट्राइकर्स (बिग बैश लीग) के मुख्य कोच के रूप में व्यस्त रहेंगे, जिसके कारण उन्होंने पद छोड़ा है। तमिलनाडु के पूर्व क्रिकेटर मलोलन रंगराजन पिछले छह वर्षों से आरसीबी फ्रेंचाइज़ी के साथ विभिन्न भूमिकाओं में जुड़े रहे हैं। पिछले दो वर्षों से वे आरसीबी महिला टीम के सहायक कोच के रूप में कार्यरत थे। उनकी नियुक्ति पर कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा,"मेरा उनके साथ बहुत अच्छा तालमेल है और हमने कई बार क्रिकेट पर शानदार चर्चाएँ की हैं। वे पिछले तीन सालों से टीम पर सकारात्मक प्रभाव डालते रहे हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि हम साथ मिलकर आने वाले सीजन में आरसीबी को सफलता की ओर ले जाएंगे।" गौरतलब है कि आरसीबी महिला टीम ने डब्ल्यूपीएल 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता था, हालांकि पिछला सीजन वे चौथे स्थान पर रही थी।

अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप का प्रारुप नहीं बदलेगा : आईसीसी

एजेंसी,दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अभी अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप का प्रारुप नहीं बदलेगा। अभी तक जिस प्रकार से 50-50 ओवर का गेम अंडर 19 विश्व कप में होता आया है वही आगे भी चलेगा। वहीं इससे पहले एसोसिएट सदस्यों ने इसे टी20 प्रारुप का करने की मांग की थी पर आईसीसी ने उसे खारिज कर दिया है। आईसीसी की चीफ एग्जीक्यूटिव कमिटी (सीईसी) ने कहा कि अभी किसी बदलाव की जरुरत नहीं है। दुबई में आईसीसी की बैठक में ये फैसला हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कार्यकारी समिति ने यह फैसला किया कि अंडर-19 विश्व कप एकदिवसीय प्रारूप में ही खेला जाएगा। वहीं सहयोगी सदस्यों की ओर से यह मांग की गई थी कि जूनियर विश्व कप महिला वर्ग की तरह ही टी20 प्रारूप में खेला जाए पर सीईसी इस पर सहमत नहीं हुई। अंडर 19 विश्व कप को लेकर आईसीसी के पूर्ण सदस्य यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में थे। टूर्नामेंट के पिछले 18 संस्करण 50 ओवरों के रहे हैं और 19वां संस्करण अगले साल नामीबिया और जिम्बाब्वे में खेला जाएगा, जो एकदिवसीय प्रारुप में ही होगा। एसोसिएट सदस्यों के साथ समस्या ये है कि उनके पास खिलाड़ियों का पूल नहीं होता है और सुविधाएं भी उतनी बेहतर नहीं हैं। इसके अलावा एकदिवसीय क्रिकेट में समय भी ज्यादा लगता है। शायद इसी से बचने के लिए कई सदस्य देश टी20 प्रारुप की मांग कर रहे थे, जिसे आईसीसी ने खारिज कर दिया है।

व्यापार

भारत को बड़े और विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत: वित्त मंत्री

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि देश को बड़े और विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और बैंकों के साथ चर्चा चल रही है। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से मांग बढ़ेगी और इससे कुल मिलाकर निवेश बढ़ेगा। मुंबई में 'आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करना' विषय पर 12वें एसबीआई बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने अपने उद्घाटन भाषण में इस बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत पूरी करने पर काम शुरू हो चुका है। हम आरबीआई के साथ चर्चा कर रहे हैं। हम बैंकों के साथ भी चर्चा कर रहे हैं। 12वें एसबीआई बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए सीतारमण ने वित्तीय संस्थानों से उद्योग जगत के लिए कर्ज प्रवाह को बढ़ाने और व्यापक बनाने का आग्रह किया। सीतारमण ने कहा कि सरकार का मुख्य जोर बुनियादी ढांचे के निर्माण पर है। पिछले दशक में पूंजीगत व्यय में पांच गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2014 से व्यापार को सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधारों को आगे बढ़ाया है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की और पिछले दशक में 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया। उन्होंने कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी की अगुवाई में वृद्धि पर जोर दे रही है। डेटा (इंटरनेट) की लागत आज कम होकर 10 रुपये प्रति जीबी पर आ गई है, जो 2014 में 300 रुपये प्रति जीबी थी।

एसजीबी 2017-18 सीरीज 6 की तय हुई रिडेंप्शन प्राइस, निवेशकों को 324 प्रतिशत तक का रिटर्न

नई दिल्ली। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की 2017-18 की सीरीज 6 के रिडेंप्शन के अंतिम रिडेंप्शन प्राइस का ऐलान कर दिया गया है। इस ऐलान के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस सीरीज के सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स के रिडेंप्शन की प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है। इसके तहत एसजीबी के प्रत्येक यूनिट (ग्राम) के लिए 12,066 रुपये का मूल्य तय किया गया है। एसजीबी की इस सीरीज के तहत गोल्ड बॉन्ड 6 नवंबर 2017 को जारी किए गए थे। आज इसकी मैच्योरिटी के आठ साल पूरे होने पर इसके रिडेंप्शन की प्रक्रिया को मंजूरी दी गई है। एसजीबी की 2017-18 की सीरीज 6 को 2,895 रुपये प्रति यूनिट (ग्राम) के मूल्य पर जारी किया गया था। इस तरह से इस सीरीज में निवेश करने वाले निवेशकों को 316.78 प्रतिशत का जबरदस्त रिटर्न मिला है। ऑनलाइन पेमेंट करने वाले निवेशकों को तो 324 प्रतिशत से भी ज्यादा का रिटर्न मिला है। इस रिटर्न में निवेश के दौरान हर साल मिलने वाला 2.5 प्रतिशत का वार्षिक ब्याज शामिल नहीं है। वित्त वर्ष 2017-18 में 6 नवंबर को जब ये बॉन्ड जारी हुआ था, तब ऑनलाइन पेमेंट करने पर निवेशकों को 50 रुपये प्रति यूनिट (ग्राम) की छूट मिलती थी। इससे ऑनलाइन पेमेंट करने वाले निवेशकों के लिए वास्तविक इश्यू प्राइस 2,845 रुपये हो गई थी। इस हिसाब से ऑनलाइन पेमेंट करने वाले सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) ने अपने निवेशकों को लगभग 324.11 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। सोने की लगातार बढ़ती कीमतों के कारण निवेशकों को इस बॉन्ड से जबरदस्त फायदा मिला है। इस संबंध मे भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी किए गए बयान में बताया गया है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की मैच्योरिटी जारी होने के आठ साल बाद पूरी होती है। इसलिए सीरीज-6 का अंतिम रिडेम्पशन 6 नवंबर 2025 तय किया गया है। रिडेम्पशन प्राइस तय करने के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा प्रकाशित सोने के क्लोजिंग प्राइस का तीन कार्यदिवस (बिजनेस डे) - 31 अक्टूबर, 3 नवंबर और 4 नवंबर 2025 का औसत लिया गया है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) स्कीम के लिए तय किए गए नियमों के अनुसार इन बॉन्ड्स को पांच साल की अवधि पूरा होने के बाद किसी भी इंटरेस्ट पेमेंट डेट पर समय से पहले रिडीम किया जा सकता है। ऐसा होने पर निवेशक को कैपिटल गेन टैक्स देना पड़ सकता है, लेकिन मैच्योरिटी पर कैपिटल गेन टैक्स नहीं लगता है, इसलिए बड़ी संख्या में निवेशक इसे पूरी अवधि तक होल्ड करते हैं। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) पर मिलने वाला 2.5 प्रतिशत सालाना ब्याज इनकम टैक्स एक्ट के तहत टैक्सेबल होता है। हालांकि मैच्योरिटी के समय होने वाला कैपिटल गेन पूरी तरह टैक्स-फ्री है। अगर कोई व्यक्ति बॉन्ड को बेचता है, तो लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन पर इंडेक्सेशन का लाभ मिलता है, जिससे टैक्स का बोझ कम हो जाता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) पर हर साल 2.5 प्रतिशत का फिक्स्ड ब्याज मिलता है, जो हर छह महीने में निवेशक के बैंक खाते में जमा होता है। ये ब्याज सोने की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव से अलग होता है। निवेशकों को उनके निवेश की राशि पर ही 2.5 प्रतिशत का ब्याज मिलता है। सोने की तत्कालीन कीमत के आधार पर ये ब्याज नहीं दिया जाता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम नवंबर 2015 में लॉन्च की गई थी। इसका मकसद लोगों को फिजिकल गोल्ड खरीदने के बजाय एक सुरक्षित और आसान वित्तीय विकल्प देना था। इन बॉन्ड्स को भारतीय रिजर्व बैंक भारत सरकार की ओर से जारी करता है। इस बॉन्ड की यूनिट ग्राम आधारित होते हैं। निवेशकों को इसमें सोने की बढ़ती कीमतों से कैपिटल गेन का फायदा तो मिलता ही है, वार्षिक आधार पर निवेशक पर 2.5 प्रतिशत का निश्चित ब्याज भी मिलता है। इस स्कीम का मुख्य लक्ष्य भारत में सोने के आयात पर निर्भरता कम करना और घरेलू बचतों को वित्तीय निवेश में लाना था।

भारत और न्यूजीलैंड जल्द ही एफटीए को अंतिम रूप देंगे: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है। पीयूष गोयल ने उम्मीद जताई कि मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री अपने समकक्ष टॉड मैक्ले के साथ दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता की प्रगति की समीक्षा के लिए चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर न्यूजीलैंड पहुंचे हैं। गोयल ने कहा कि मेरा मानना है कि यह एक ऐतिहासिक यात्रा है, क्योंकि हम बहुत जल्द एफटीए को अंतिम रूप देने जा रहे हैं। उन्होंने अपने समकक्ष टॉड मैक्ले और दोनों पक्षों के मुख्य वार्ताकारों के साथ चल रही भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हमारी टीमें एक भविष्य-तैयार और संतुलित व्यापार समझौते की दिशा में काम कर रही हैं, जो हमारी संवेदनशीलताओं का सम्मान करते हुए आर्थिक संबंधों को गहरा करेगा, सहयोग के नए रास्ते खोलेगा और दोनों पक्षों के व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए नए अवसर खोलेगा।उन्होंने आगे कहा कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान कर रहे हैं। हमारी टीमों ने शानदार काम किया है। पीयूष गोयल ने कहा कि जिन कुछ बारीकियों पर ध्यान देने की जरूरत है, वे हमारे सामने हैं। कई चीजें, समझौते की भावना से, तय कर ली गई हैं। इससे पहले पीयूष गोयल ने रोटोरूआ में अपने समकक्ष टॉड मैक्ले के साथ भारत-न्यूजीलैंड सीईओ गोलमेज सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में भारत के तेजी से विकसित हो रहे आर्थिक परिदृश्य पर बात की और इस बात पर जोर दिया कि कैसे प्रौद्योगिकी, कृषि, शिक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और स्थिरता जैसे क्षेत्रों में बेहतर सहयोग विकास के नए रास्ते खोल सकता है।

ऑर्कला इंडिया ने आईपीओ निवेशकों को दिया झटका, मामूली बढ़त के साथ लिस्ट होने के बाद फिसले शेयर

नई दिल्ली। फूड इंडस्ट्री में कारोबार करने वाली कंपनी ऑर्कला इंडिया के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में बढ़त के साथ एंट्री की। हालांकि लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली के दबाव में कंपनी के शेयर गिर कर लाल निशान में पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 730 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 2 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 751.50 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 750.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को तब झटका लगा, जब इन शेयरों में बिकवाली का दबाव बन गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 713.65 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 2.24 प्रतिशत का नुकसान हो गया। ऑर्कला इंडिया का 1,667.54 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 से 31 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल होने के बावजूद इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 48.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 117.63 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 54.42 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 7.06 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 15.12 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,28,43,004 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये जारी किए गए हैं। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 339.13 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 226.33 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 255.69 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 2,201.44 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2,387.99 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 2,455.24 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 78.92 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इसी तरह इस अवधि में कंपनी को 605.38 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में गिरावट आई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 34.99 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 3.77 करोड़ रुपये रह गया। इसके अगले वित्त वर्ष यानी 2024-25 के अंत में कंपनी पर कोई कर्ज नहीं था। हालांकि मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 2.33 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

तान्या मानिकतला ने अमृता शेरगिल की बायोपिक से जुड़ी खबरों पर दी सफाई

हाल ही में अभिनेत्री अनन्या पांडे अपनी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के साथ-साथ प्रसिद्ध चित्रकार अमृता शेरगिल की बायोपिक 'अमरी' को लेकर सुर्खियों में रही हैं। सोशल मीडिया पर खबरें चल रही थीं कि अनन्या को इस प्रोजेक्ट से हटा दिया गया है और उनकी जगह 'किल' फेम तान्या मानिकतला को साइन किया गया है। अब तान्या ने इन चर्चाओं पर खुद खुलकर प्रतिक्रिया दी है। तान्या ने अफवाहों पर लगाई रोकएक अखबार को दिए इंटरव्यू में तान्या मानिकतला ने कहा, "मुझे नहीं पता कि यह खबर कहां से आई है। हमें अमृता शेरगिल की बायोपिक प्रोजेक्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसलिए, मैं इस पर कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं हूं।" उनका यह बयान साफ करता है कि 'अमरी' से जुड़ी कास्टिंग अफवाहें फिलहाल महज अटकलें हैं।

'अमरी' अमृता शेरगिल की जिंदगी पर आधारितफिल्म 'अमरी' भारतीय कला जगत की महान चित्रकार अमृता शेरगिल के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने अपने चित्रों में भारतीय समाज, स्त्री भावनाओं और जीवन के यथार्थ को गहराई से उकेरा था। 28 साल की उम्र में 1941 में उनका निधन हो गया था, लेकिन उन्होंने भारतीय आधुनिक कला को नई दिशा दी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के प्री-प्रोडक्शन पर काम 2023 में शुरू किया गया था। अनन्या पांडे के साथ इस प्रोजेक्ट के लिए विक्की कौशल, जिम सर्भ और नसीरुद्दीन शाह जैसे दिग्गज कलाकारों से भी संपर्क किया गया था। अगर सबकुछ योजना के अनुसार रहा, तो इस साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग भारत, हंगरी और फ्रांस में शुरू हो सकती है। 'अमरी' में अमृता शेरगिल के कला से गहरे संबंध, उनके निजी संघर्षों और भारतीय आधुनिकता पर उनके प्रभाव को संवेदनशीलता से चित्रित किया जाएगा। अब देखना होगा कि फिल्म की फाइनल कास्टिंग को लेकर मेकर्स कब आधिकारिक घोषणा करते हैं।

इमरान हाशमी ने 'आवारापन 2' को लेकर खोला राज

अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'हक' को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन इसके साथ ही फैंस का ध्यान उनके एक और बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट 'आवारापन 2' पर भी टिका है। 2007 में रिलीज हुई 'आवारापन' ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी, और इसके सीक्वल का ऐलान होते ही फैंस इसके हर अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब इमरान ने खुद फिल्म पर खुलकर बात की है। दिए इंटरव्यू इमरान हाशमी ने बताया, "मैं अगले महीने फिल्म की शूटिंग शुरू करने जा रहा हूं। इसमें कुछ वाकई बहुत इंटेंस सीन शूट किए गए हैं और इसका संगीत कमाल का है। फिलहाल मैं ज्यादा कुछ नहीं बता सकता, लेकिन जब दर्शक फिल्म देखेंगे, तो उन्हें खुद समझ आएगा कि हमने किस स्तर पर काम किया है।" उन्होंने आगे कहा, "2022 में जब मेरे दोस्त बिलाल स्क्रिप्ट लेकर आए, तो हमें कुछ बेहद शानदार मिला जो कहानी और किरदार दोनों के लिहाज से सही बैठता है।" इमरान ने साफ कहा, "मैं 'आवारापन 2' सिर्फ प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने या लोकप्रियता का फायदा उठाने के लिए नहीं कर रहा हूं। हां, यह सच है कि जब भी मैं फैंस से मिलता हूं, तो वे कहते हैं, 'हमें यह फिल्म बहुत पसंद है।' लेकिन 'आवारापन' को जो भावनात्मक जुड़ाव और गहराई दर्शकों से मिली थी, वही इस सीक्वल का असली प्रेरणा स्रोत है। पिछले कुछ वर्षों में लोगों का प्यार और बढ़ा है, कई फैंस ने तो 'आवारापन' के टैटू तक बनवा लिए हैं।" इमरान हाशमी का मानना है कि 'आवारापन 2' सिर्फ एक सीक्वल नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर की अगली कड़ी है। उनके मुताबिक, इस फिल्म में वही दर्द, रोमांस और आत्मिक गहराई होगी, जिसने पहली फिल्म को यादगार बनाया था। अब देखना होगा कि इस बार इमरान अपने इस आइकॉनिक किरदार को किस नए अंदाज में परदे पर लाते हैं।

सोनाली ने कन्नड़ फिल्म चेलुवी से की थी कॅरियर की शुरुआत

अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी भारतीय सिनेमा की उन अदाकाराओं में से हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से भाषाओं और सीमाओं की दीवारें तोड़ दीं। हिंदी और मराठी फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस सोनाली ने अपने करियर की शुरुआत 1992 में मशहूर निर्देशक गिरीश कर्नाड की कन्नड़ फिल्म चेलुवी से की थी। यह फिल्म न सिर्फ नेशनल अवॉर्ड विनर रही, बल्कि कांस फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित हुई, जिससे सोनाली को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिली। सोनाली कुलकर्णी की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि उन्होंने सात अलग-अलग भाषाओं कन्नड़, मराठी, हिंदी, तमिल, गुजराती, अंग्रेजी और इतालवी में काम किया है। इस विविधता के कारण उन्हें "बहुभाषी सुपरस्टार" कहा जाता है। उन्होंने न केवल भारत की फिल्मों में बल्कि हॉलीवुड और यूरोपियन सिनेमा में भी अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया। पढ़ाई के साथ-साथ सोनाली ने बचपन से ही कला और नृत्य में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने भरतनाट्यम में 11 साल तक प्रशिक्षण लिया और पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएशन किया। मराठी साहित्य में स्कॉलरशिप पाने के बाद भी उनका दिल अभिनय की ओर खिंचता चला गया। कॉलेज के दिनों में पहली फिल्म साइन करते वक्त उन्हें क्लास मिस होने की चिंता थी, मगर गिरीश कर्नाड के प्रोत्साहन ने उनकी दिशा तय कर दी। सोनाली की पहली मराठी फिल्म मुक्ता (1994) थी, जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। हिंदी फिल्मों में वह दिल चाहता है, मिशन कश्मीर, डरना जरूरी है, और सिंघम जैसी फिल्मों से पहचानी जाती हैं, जबकि मराठी सिनेमा में देवराई, दोघी, कैरी, सखी और देऊल जैसी फिल्मों ने उन्हें विशेष लोकप्रियता दिलाई। अभिनय के साथ-साथ सोनाली एक सफल लेखिका भी हैं। उन्होंने मराठी अखबार में "सो कूल" नाम से कॉलम लिखा, जो इतना लोकप्रिय हुआ कि लोग उन्हें उसी नाम से पहचानने लगे। सोनाली को उनके अभिनय और बहुभाषी योगदान के लिए कई सम्मान मिले हैं, जिनमें मिलान फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड (2006), चार फिल्मफेयर अवॉर्ड्स और महाराष्ट्र स्टेट फिल्म अवॉर्ड शामिल हैं। पर्सनल लाइफ में उन्होंने पहले मराठी निर्देशक चंद्रकांत कुलकर्णी से शादी की थी, बाद में 2010 में टीवी एग्जीक्यूटिव नचिकेत पंतवैद्य से विवाह किया। उनकी एक बेटी है।

'द ताज स्टोरी' के आगे झुकी 'बाहुबली', कलेक्शन में आई गिरावट

एसएस राजामौली और प्रभास की जोड़ी वाली फिल्म 'बाहुबली द एपिक' की बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार अब थमती नजर आ रही है। रिलीज के सिर्फ छह दिन बाद ही फिल्म की कमाई में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं दूसरी ओर, परेश रावल की फिल्म 'द ताज स्टोरी' ने धीरे-धीरे अपने बिजनेस में सुधार करते हुए 'बाहुबली द एपिक' को पछाड़ दिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रभास स्टारर 'बाहुबली द एपिक' ने पहले दिन 9.65 करोड़ की मजबूत ओपनिंग की थी। लेकिन अब छठे दिन इसकी कमाई घटकर 1.50 करोड़ रह गई है, जो रिलीज के बाद से अब तक का सबसे कम आंकड़ा है। इस तरह फिल्म का कुल कलेक्शन अब 29.65 करोड़ के करीब पहुंचा है। गौरतलब है कि 'बाहुबली द एपिक' को 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' के अनदेखे दृश्यों को जोड़कर तैयार किया गया है, लेकिन दर्शकों का शुरुआती जोश अब ठंडा पड़ता दिख रहा है। परेश रावल की फिल्म 'द ताज स्टोरी' ताजमहल के इतिहास और विवादित पहलुओं को लेकर बनी है। शुरुआती दिनों में धीमी शुरुआत की थी। हालांकि, अब फिल्म ने रफ्तार पकड़ ली है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पांचवें दिन 1.35 करोड़ की कमाई करने के बाद छठे दिन इसका कलेक्शन बढ़कर 1.60 करोड़ पहुंच गया। फिल्म की कुल कमाई 10.10 करोड़ हो चुकी है। छठे दिन के कलेक्शन के लिहाज से परेश रावल की 'द ताज स्टोरी' ने प्रभास की 'बाहुबली द एपिक' को पछाड़ दिया है। जहां एक तरफ 'बाहुबली' की कमाई घट रही है, वहीं 'द ताज स्टोरी' दर्शकों की जिज्ञासा के चलते धीरे-धीरे बॉक्स ऑफिस पर पकड़ मजबूत करती दिख रही है।

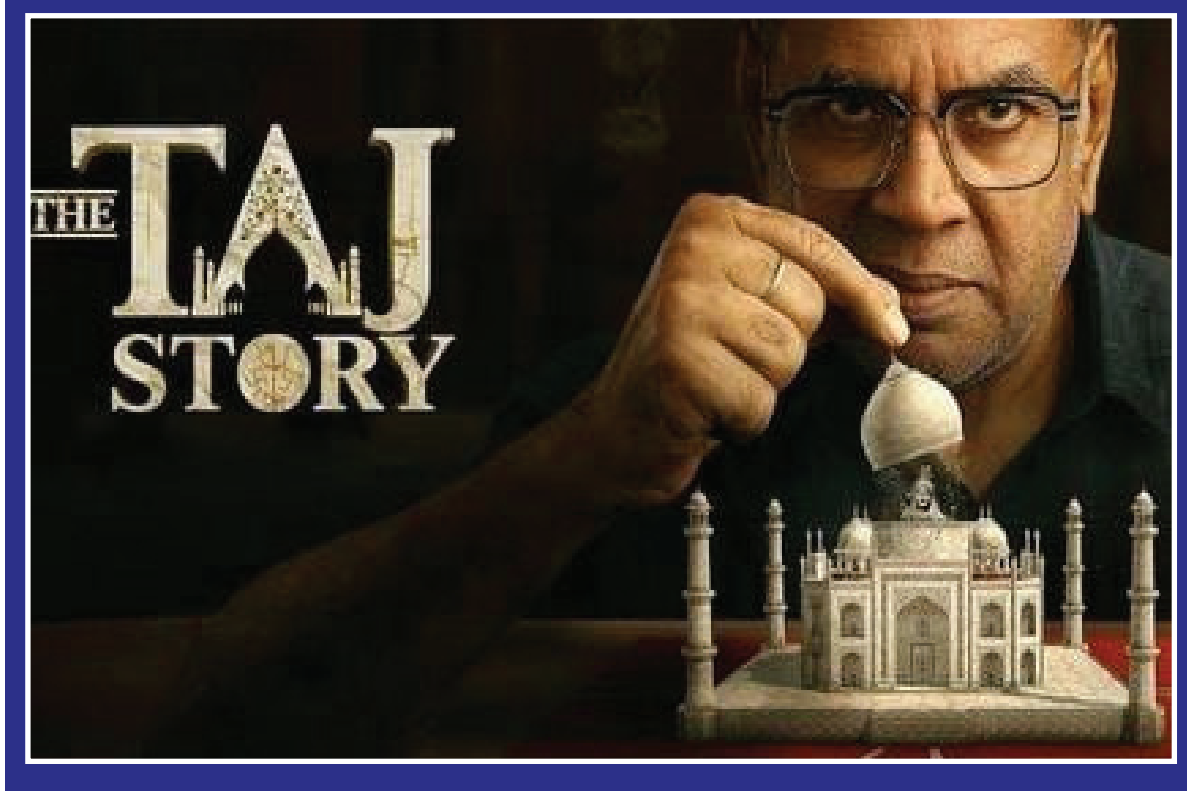

छोटी फिल्मों का थियेटर में जगह बनाना मुश्किलः हुमा कुरैशी

सीमित संसाधनों में बनी छोटी फिल्मों के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है थिएटर में स्क्रीन और शो टाइम की कमी। यही वजह है कि कई बार मजबूत कहानी और उत्कृष्ट अभिनय के बावजूद, ये फिल्में दर्शकों तक नहीं पहुंच पातीं। इसी मुददे को लेकर हाल ही में अभिनेत्री और निर्माता हुमा कुरैशी ने इसी मुद्दे पर खुलकर आवाज उठाई। उनकी फिल्म सिंगल सलमा को देशभर में बेहद सीमित स्क्रीन पर रिलीज किया गया, जिससे उन्होंने सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहिर की।

हुमा ने लिखा, "'सिंगल सलमा' जैसी फिल्मों में न तो बड़े स्टार होते हैं और न ही करोड़ों का मार्केटिंग बजट। ऐसे में थिएटर में अपनी जगह बनाना बेहद मुश्किल हो जाता है। सिस्टम अब भी उन्हीं फिल्मों को प्राथमिकता देता है, जिनमें बड़ा नाम या बड़ा पैसा जुड़ा होता है।" हुमा की इस पोस्ट ने दर्शकों और फिल्म इंडस्ट्री दोनों में व्यापक बहस छेड़ दी। देश के कई शहरों—जैसे दिल्ली, लखनऊ, कोलकाता और पटना के फैंस ने उनकी बात का समर्थन किया और थिएटर मालिकों से फिल्म के शो बढ़ाने की मांग की। कई दर्शकों ने सोशल मीडिया पर टिकट बुकिंग ऐप्स के स्क्रीनशॉट साझा किए, जिनमें दिख रहा था कि सिंगल सलमा के शो या तो हाउसफुल हैं या फिर उपलब्ध ही नहीं।

इससे साफ है कि दर्शकों की दिलचस्पी मौजूद है, लेकिन थिएटर वितरण प्रणाली की असमानता के कारण उन्हें मौका नहीं मिल पा रहा। इंडस्ट्री के अंदरूनी लोगों का भी मानना है कि अब समय आ गया है जब छोटे और बड़े प्रोडक्शन के बीच स्क्रीन वितरण को लेकर संतुलन बनाया जाए। अगर थिएटर वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और न्यायपूर्ण बनाया जाए, तो कंटेंट-ड्रिवन फिल्मों को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

इंडिपेंडेंट फिल्मों के सामने कई बाधाएं मौजूदः किरण राव

फिल्ममेकर किरण राव ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने फिल्मों की पहुंच तो बढ़ाई है, लेकिन थिएटर में जाकर फिल्म देखने का अनुभव आज भी दर्शकों के लिए खास मायने रखता है। फिल्ममेकर किरण राव ने 14वें धर्मशाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दौरान अपने विचार साझा किए। किरण राव ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में फिल्म निर्माण और वितरण के तरीके काफी बदले हैं, लेकिन इंडिपेंडेंट फिल्मों के सामने अब भी कई बाधाएं मौजूद हैं। उन्होंने भारत की ऑस्कर प्रविष्टि फिल्म होमबाउंड का उदाहरण देते हुए कहा कि अब दर्शकों का स्वाद पहले से कहीं ज्यादा बदल चुका है। "पहले लोग केवल बड़े सितारों वाली फिल्मों को पसंद करते थे, लेकिन अब दर्शक नई कहानियों, नए चेहरे और अनोखे विषयों की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। इसका बड़ा श्रेय ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को जाता है, जिन्होंने फिल्मों को घर-घर तक पहुंचाने का काम किया है," उन्होंने कहा। हालांकि, राव ने एक अहम सवाल भी उठाया "क्या दर्शक इंडिपेंडेंट फिल्मों के लिए पैसे देने को तैयार हैं?" उन्होंने कहा, "यह हर फिल्ममेकर के मन में उठने वाला सबसे बड़ा सवाल है। क्या कोई दर्शक 150 रुपये देकर होमबाउंड या सबर बोंडा जैसी फिल्में देखने थिएटर तक जाएगा? अगर लोग नहीं आएंगे, तो इतनी मेहनत, समय और संसाधन लगाने का क्या मतलब रह जाएगा?" किरण राव, जो पिछले एक दशक से इंडिपेंडेंट सिनेमा को प्रोत्साहित कर रही हैं, ने बताया कि इन फिल्मों की सबसे बड़ी चुनौती उनकी डिस्ट्रिब्यूशन है। उन्होंने कहा, "फिल्में बन जाती हैं, लेकिन उन्हें सही मंच तक पहुंचाना मुश्किल है। बड़े बजट की फिल्मों की तुलना में इंडिपेंडेंट फिल्मों को थिएटर स्क्रीन या प्रमुख प्लेटफॉर्म्स पर जगह पाना आज भी कठिन है।" उन्होंने यह भी कहा कि इंडिपेंडेंट सिनेमा भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की रचनात्मक आत्मा है, लेकिन इसके लिए दर्शकों का सहयोग जरूरी है। "अगर हम चाहते हैं कि विविधता भरी कहानियां कही जाएं, तो हमें भी ऐसी फिल्मों को देखने और समर्थन देने की आदत डालनी होगी," उन्होंने कहा। किरण राव का यह बयान आज के दौर में इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स के संघर्ष और दर्शकों की जिम्मेदारी दोनों पर गहराई से रोशनी डालता है। मालूम हो कि भारत में इंडिपेंडेंट फिल्मों का सफर हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है। शानदार कहानियों और उम्दा अभिनय के बावजूद इन फिल्मों को सही दर्शकों तक पहुंचाना अक्सर सबसे कठिन काम बन जाता है।

Forces plan big op against top Maoist, lethal fighting unit

RAIPUR, Agency: Security forces are preparing one of the biggest coordinated anti-Maoist operations in Bastar to eliminate top CPI (Maoist) commander Mandvi Hidma and his Battalion Number 1, considered the most lethal fighting unit of the outlawed group, officials familiar with the development said.

Hidma led the Battalion number 1 of CPI (Maoist) for almost of decade. He was the main planner of all major attacks on security forces in the last 15 years and was recently made secretary of the Dandakaranya Special Zonal Committee (DKZC), a powerful decision-making body of the outlawed CPI (Maoist).

The offensive, planned across Sukma, Narayanpur and Bijapur districts, will target 50 key villages still under Maoist influence where Hidma and other senior leaders are believed to be camping.

Following recent encounters that claimed the lives of several senior Maoist leaders, forces have intensified preparations for what is being described as a "decisive and final push" against insurgents.

Union Home Minister Amit Shah has set a deadline of March 2026 to completely clear the Bastar forests of Maoist presence.

With just five months left, security forces have been directed to remain on high alert. Ten special teams have been constituted, and the leaves of all personnel have been cancelled to maintain operational readiness. We will focus mainly in Bijapur and Sukma where Hidma is believe

to be camping with more than 150 arms cadres," said one of the officials cited above. The operation will be a joint one involving District Reserve Gaurd (DRG), Bastar Fighters , Special Task Force and Central Reserve Police Force units. The officials said said Hidma had a narrow escaped earlier this year in an encounter in Karregutta Hills where 31 Maoists were killed. The encounter began on April 2025 and lasted 21 days. Hidma, a native of Sukma district, is one of the most wanted Maoist commanders in India. He is believed to be the mastermind behind the 2010 Dantewada massacre in which 76 CRPF personnel were killed, and the 2021 Tarrem ambush in Bijapur in which 22 security personnel killed. Officials describe him as the last remaining top-rung Maoist leader still active in south Bastar. Neutralising Hidma and dismantling his battalion will mark a crucial milestone toward ending the decades-long Maoist insurgency in the region," the officials said. Battalion No. 1 is described by security officials as the Maoists' last active battalion in the area; it is formally headed by Barse Devi under the supervision of Hidma.

The unit is reported to comprise at least 130 cadres who are heavily armed and trained in guerrilla warfare; most members are said to have been handpicked by Hidma.

Inspector General of Police (Bastar Range) Sunderraj P said the police and security forces deployed in the Bastar region remain firmly committed to ensuring lasting peace, security, and development for its people.While many former Maoist cadres have recognised the futility of violence and chosen to rejoin the mainstream, a small number of elements within the CPI (Maoist) continue to engage in violent and disruptive acts against innocent civilians and security personnel," he added.

We once again appeal to all the remaining Maoist cadres, including Hidma, Pappa Rao, Barse Deva and others, to lay down their arms.

embrace the rule of law, and take part in building a constructive society. Those who persist in violence will be dealt with firmly and in accordance with the law," he said.

Goa govt empowers collectors to order detention of persons under NSA

PANAJI, Agency: The Goa government on Thursday authorised its two district collectors to order the detention of persons under the National Security Act (NSA) in the interest of the state's security or the maintenance of public order.

The Goa government also constituted an NSA advisory board comprising former Bombay high court judge, justice U V Bakre, and former district judges Sayonara Telles Laad and Vandana Tendulkar. The advisory board is mandated to review every detention order made under this law within three weeks and consider appeals filed by those detained.

The Government of Goa, having regard to the circumstances prevailing in North Goa and South Goa Districts, is satisfied that it is necessary to do so, hereby directs that during a period of three months from the date of commencement of this order, the District Magistrates of North Goa and south Goa may also exercise powers conferred by sub-section (2) of section 3, of the said Act within the local limits of their jurisdiction," the order issued by Manthan Manoj Naik, Under Secretary (Home), said.

It will mean that collectors will have the power to detain persons under the Act if they are of the view that they pose a risk to 'the security of the state' and to public order.

The authorisation to extend the detention powers to the collectors for the next three months was passed on a request made by the Goa Police in September this year. In a letter to the home department, Goa director general of police Alok Kumar sought the powers for the collectors on the ground that existing legal provisions to detain trouble makers were .

insufficient to neutralise repeat offenders and orgsed elements, who are likely to act in a manner prejudicial to the maintenance of public order.

Class 7 student gang-raped in Lucknow hotel she had gone to meet her Instagram 'friend

Lucknow, Agency: An innocent Instagram "friendship" of a class 7 student resulted in the horrific gangrape in Uttar Pradesh's Lucknow. The accused invited her for a friendly meeting, but sexually assaulted her for days along with his two other associates.

According to a report in Live Hindustan, the Police have registered a case against the two accused, while the one suspect remains absconding.

The complaint was registered by the girl's mother at the Sarojninagar police station. She alleged that her daughter connected with a man, identified as Vimal, over the social media platform Instagram. Soon after, she started getting calls from him, a Live Hindustan report said.

The mother, who works in a factory, stated that Vimal told her daughter that he lived near the Agra expressway. She reported

that the girl left home at approximately 10:00 pm on October 10 after being invited by Vimal.

Everything seemed normal until it was not. According to the Hindi daily, Vimal arrived in a Scorpio with two other men, named Shubham and Piyush. They allegedly took her to a hotel located on IIM Road.

The complaint, cited by Live Hindustan, stated that the accused allegedly took turns sexually assaulting her and recorded the incident.

HC refuses to lift stay on govt order restricting public gatherings

Karnataka, Agency: The Karnataka high court on Thursday declined to lift an interim stay on an October 18 state government order restricting unauthorised gatherings of over 10 people in public spaces such as roads, parks, and playgrounds.

The order came amid a tussle between the Congress-led government and the Rashtriya Swayamsevak Sangh over permissions for its annual route marches. It said the congregations cited in the order will be treated as an "unlawful assembly" punishable under Bharatiya Nyaya Sanhita.

On October 28, a single judge high court bench of Justice M Nagaprasanna stayed the order, observing that the government could not curtail peaceful assembly without legislative sanction and that such restrictions could not be justified merely on administrative convenience.

The state government appealed against the single

judge's order. On Thursday, a bench of justices SG Pandit and Geetha KB of the Dharwad Bench refused to interfere with the stay order.

Advocate general Shashi Kiran Shetty argued that the government did not impose a blanket prohibition but only required organisers to seek prior permission.

He told the court that the order was an "enabling provision" and a "positive direction" meant to regulate public events in the interest of public order and protection of government property.

India deploys military aircraft to repatriate citizens who fled to Thailand from Myanmar scam centre

New Delhi, Agency: India on Thursday began repatriating hundreds of citizens who fled to Thailand from a notorious cyber scam centre in Myanmar, with two military aircraft ferrying back 270 nationals, including 26 women, from the Thai border town of Mae Sot.

The Indian Air Force (IAF) operated two special flights to bring back the Indians, who crossed into Thailand from Myawaddy in Myanmar, where they were allegedly working in the cyber scam centre, the Indian embassy in Bangkok said on social media.

The Indian nationals were detained by Thai authorities for violating immigration laws by illegally entering the country, the embassy said. Photos posted on social media by the embassy showed the Indian nationals

boarding C-130J Super Hercules transport aircraft of the IAF at Mae Sot.

The Indian embassy in Bangkok and the consulate in Chiang Mai coordinated with agencies of the Thai government to facilitate the repatriation.

People familiar with the matter said more flights will be operated on Friday to bring back more Indian nationals from Thailand. According to reports in the Thai media, more than 450 Indians illegally crossed the border while fleeing the scam centre in Myanmar late last month.

The two aircraft that took off from Mae Sot on Thursday would fly to an Indian airbase in the Andaman and Nicobar Islands, where they would be refuelled before flying to New Delhi. The Indian nationals include both victims who were lured to scam centres with promises of lucrative jobs and some people allegedly involved in running the scams, the people said on condition of anonymity.

The Indian nationals will be questioned on their return by investigative agencies to identify those allegedly involved in the scams, the people said. They will be allowed to go only after legal processes are completed, they added.

The Indian embassies in Thailand and Myanmar are working with their host governments to secure the "repatriation of those Indians who were allegedly involved in scamming activities and are still in Myanmar", the mission in Bangkok said.

Delhi bathed in dust, norms openly flouted

New Delhi, Agency: Dust pollution control norms as well as the regulations related to disposal of construction and demolition waste are being openly flouted across the city, leaving surrounding areas covered in clouds of dust, an news agency spot check has found.

Under its winter action plan, the Delhi government has mandated strict enforcement of 12-point dust-control norms, including green net scaffolding of project sites, covering of construction material, regular sprinkling of water on unpaved areas, as well as presence of functional anti-smog guns at larger sites. Additionally, all larger construction projects require registration and there has been a large-scale deployment of water sprinklers across the city.

The rules also say that vehicles carrying construction material and construction debris should be fully covered, and construction material should not be kept on roads or pavements.

However, despite repeated directions issued by Delhi government and a reduction in the number of self-compliance measures construction firms must follow earlier this year, an news agency spot check in areas from east to west and north to south, including Sarojini Nagar, Ashram, Ghanta Ghar, Paschim Vihar, New Delhi,

Preet Vihar, Laxmi Nagar, Trilokpuri, and Geeta Colony, found that the rules were being blatantly disregarded.

Delhi's air quality index (AQI) has officially ranged between 'poor' and 'very poor' since Diwali. According to the Central Pollution Control Board bulletins, particulate matter (PM)10 and PM2.5 are the lead pollutants.

On Wednesday, there was a marginal improvement to an increase in wind speed, with the CPCB data showing the 24-hour average AQI was 202 (poor) at 4pm, which further improved to at 197 (moderate) by 7pm.

However, an news agency analysis of CPCB data shows missing data, suspicious measurement patterns, and algorithmic loopholes in how the city's average AQI is calculated, which appear to have combined to produce readings that may not accurately reflect ground conditions.

Moreover, forecasts by the Air Quality Early Warning System (AQEWS) said the air quality is expected to go back to 'very poor' on Thursday. The dust in Delhi's air has the potential to cause several health conditions as the respirable size of dust particles can get lodged in lungs, leading to both short and long term implications.

Violations aplenty

In Sarojini Nagar market, one of the popular commercial hubs in south Delhi, which is surrounded by construction sites on all sides, layers of dust covered furniture and display items; the leaves of trees were blanketed greyish-brown and a constant haze lay over the market's avenues.Dust particles were suspended in the air around the construction sites, which employ around 1,200 workers. An anti-smog gun that news agency spotted hadn't been used for days, workers said.